email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

निक्की तंबोली से टक्कर लेंगी आएशा सिंह

वर्ष:3 अंक:57 कटक मंगलवार 12 जुलाई 2022 मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

अमरनाथ यात्रा फिर से हुई शुरू, 4026 तीर्थ यात्रियों का 12वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। खराब मौसम के कारण करीब एक दिन निर्लंबित रहने के बाद अमरनाथ यात्रा सोमवार को फिर शुरू हो गई और 4,026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था दक्षिण कश्मीर में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए जम्मू से रवाना हुआ। खराब मौसम के कारण जम्मू से यात्रा स्थगित कर दी गई थी और रविवार को किसी भी जत्थे को घाटी में आधार शिविरों की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। अमरनाथ गुफा के पास आठ जुलाई को बादल फटने पर हुई भीषण बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

अधिकारियों ने बताया, ''केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कड़ी सुरक्षा के बीच 110 वाहनों में कुल 4,026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था यहां भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ।'' उन्होंने बताया कि इन श्रद्धालुओं में 3,192 पुरुष, 641 महिलाएं, 13 बच्चे, 174 साधु और छह साध्वी हैं। उन्होंने बताया कि बालटाल आधार शिविर के लिए जाने वाले 1,016 तीर्थयात्री 35 वाहनों में तड़के साढ़े तीन बजे सबसे पहले रवाना हुए। इसके बाद कश्मीर में पहलगाम शिविर के लिए 2,425 तीर्थयात्रियों को लेकर 75 वाहनों का दूसरा काफिला रवाना हुआ।

इस बीच, सेना ने पवित्र गुफा के बाहर एक अस्थायी सीढ़ी का निर्माण किया। गत शुक्रवार को बादल फटने से हुए भूस्खलन के कारण गुफा मंदिर की ओर जाने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था। सेना की इकाई 'चिनार कोर' ने ट्वीट किया, '' यात्रा के पहलगाम से आज शुरू होने के मद्देनजर पवित्र गुफा के बाहर यात्रियों के लिए रातभर में अस्थायी सीढ़ी बनाई गई।'' बाबा बर्फानी के दर्शन के लिये 43 दिन की वार्षिक यात्रा दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से 30 जून को शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक 1.13 लाख से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। अमरनाथ यात्रा 11 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर समाप्त होगी।

खराब मौसम के कारण जम्मू से यात्रा स्थगित कर दी गई थी और रविवार को किसी भी जत्थे को घाटी में आधार शिविरों की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। अमरनाथ गुफा के पास आठ जुलाई को बादल फटने पर हुई भीषण बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

भगवंत मान के बयान पर भड़के सुखबीर सिंह बादल, कहा- चंडीगढ़ पर पंजाब का दावा छोड़ा

चंडीगढ़। चंडीगढ़ पर अपने-अपने दावे को लेकर पंजाब और हरियाणा की सरकारें कई बार आमने-सामने हो चुकी हैं। इसी बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार से पंजाब की विधानसभा बनाने के लिए चंडीगढ़ में अलग जमीन की मांग कर डाली। लेकिन उनके इस बयान पर शिरोमणि अकाली दल सुप्रीमो सुखबीर सिंह बादल भड़क गए। बादल ने कहा कि ऐसा बोलकर मान ने चंडीगढ़ पर पंजाब का दावा छोड़ दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने मान को चेतावनी भी दे डाली है। दरअसल, मीडिया से बात करते हुए शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से अपना बयान वापस लेने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि यदि मुख्यमंत्री अपना बयान वापस नहीं लेते तो शिअद आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही पंजाब को चंडीगढ़ दिए जाने की मांग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने पंजाबियों की पीठ में छुरा घोंपा है। भगवंत मान वर्तमान संकट के लिए जिम्मेदार हैं, उनकी लापरवाही के कारण चंडीगढ़ पर पंजाब की पकड़ धीरे धीरे कमजोर होने लगी है। उन्होंने कहा कि वह विधानसभा के लिए जमीन क्यों मांग रहे हैं, जब यहां चंडीगढ़ में विधानसभा है। पंजाब का अपनी राजधानी चंडीगढ़ पर पूरा अधिकार है। बादल ने कहा कि उन्होंने शुरू में सोचा था कि मान ने अनजाने में यह टिप्पणी की है। लेकिन ऐसा लगता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मान से एक %साजिश% के तहत यह बयान दिलवाया है। असल में बादल का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भगवंत मान ने पंजाब विधानसभा भवन के लिए चंडीगढ़ में अलग से भूमि दिए जाने की केंद्र से मांग की।

छत्तीसगढ़ में भूकंप से कांपी धरती

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 8 बजकर 10 मिनट दो सेकेंड पर अंबिकापुर से 79 किमी WNW पर 4.3 तीव्रता का भूकंप आया है। इसकी गहराई 10 किमी थी। इस भूकंप की 82.44 लंबा था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने ट्वीट कर यह जानकारी दी।

बता दें, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में भी भूकंप के कई झटके महसूस किए गए थे। पोर्टब्लेयर में कई बार धरती कांप उठी थी।

9 जून को महाराष्ट्र में आया भूकंप

इससे पहले, महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 9 जून को सुबह 6 बजकर 24 मिनटर 40 सेकेंड पर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। इस भूकंप की गहराई 10 किमी थी। भूकंप कोल्हापुर के 154 किमी श्वहश्व पर आया था।

9 जून- नार्दर्न मरियाना द्वीप समूह के सायपान में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई 10 किमी थी।

9 जून-अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई 10 किमी थी।

9 जून- अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्टब्लेयर में 4.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 10 किमी थी।

9 जून- अंडमान निकोबार द्वीप समूह के कैंपबेल बे में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 10 किमी थी।

8 जून को पाकिस्तान में आया भूकंप

आठ जून को पाकिस्तान में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया । इसकी गहराई 150 किमी थी। इसी दिन अरुणाचल प्रदेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। कामले में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 12 किमी थी। इसके अलावा, सात जुलाई को अफगानिस्तान के फैजाबाद में भी 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई 150 किमी थी।

गुजरात में बाढ़ की स्थिति, इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश देखने को मिल रही है। वहीं दिल्ली समेत उत्तर भारत के राज्यों में बारिश का असर कुछ नहीं देखने को मिल रही है। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दिल्ली में आज से मौसम में बदलाव दिखेगा और अगले कुछ दिन दिल्लीवासियों को गर्मी से राहत मिलेगी। इसके साथ ही पूरे उत्तर भारत का भी मौसम बदलते दिखेगा। उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड , पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश में भी बारिश के आसार है। जम्मू कश्मीर में भी हल्की से मध्यम बारिश का पूरा अनुमान बना हुआ है। उत्तर प्रदेश के मौसम पर नजर डालें तो लखनऊ से लेकर आगरा, अलीगढ़, गौतमबुध नगर, वाराणसी, बरेली समेत अन्य जिलों के लोगों को गर्मी से राहत मिलते दिखेगी। इस पूरे हफ्ते बादल भी छाए रहेंगे और कई हिस्सों में बारिश देखने को मिलेगी। इसके अलावा अधिकतम तापमान भी 36-37 के पास बना रहेगा।

दिल्ली-एनसीआर में बादल छाएंगे लेकिन वर्षा की उम्मीद नहीं-दिल्ली-एनसीआर में आज यानी सोमवार को भी दिन

भर बादल छाए रहेंगे, लेकिन बरसात की कोई खास संभावना नहीं है। कहीं कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 और 27 डिग्री सेल्सियश रहने की संभावना। मौसम विभाग के मुताबिक अभी 16 तारीख तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा ।

हिमाचल के 10 जिलों में येलो अलर्ट-हिमाचल प्रदेश में लाहुल-स्पीति व किन्नौर को छोड़ 10 जिलों में सोमवार को आंधी और भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने आगामी चार दिन के दौरान भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके कारण सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है।

पंजाब में सामान्य वर्षा की संभावना

पंजाब में मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। मौसम केंद्र चंडीगढ़ के डायरेक्टर डा. मनमोहन सिंह के अनुसार सोमवार व मंगलवार को पंजाब के कई जिलों में सामान्य वर्षा हो सकती है। इसके बाद 13 जुलाई से राज्य के कई जिलों में दो दिनों तक भारी वर्षा होने की संभावना है। खासकर पहाड़ी क्षेत्रों के साथ लगते जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है।

SC में सुनवाई से पहले संजय राउत का बयान

महाराष्ट्र में जो सरकार को थोपा गया, वह पूरी तरह से अवैध है

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा था कि वह महसूस करते हैं कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के तीनों घटकों शिवसेना, कांग्रेस, राकांपा को वर्ष 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ना चाहिए। हालांकि, पवार ने कहा कि इस मुद्दे पर फैसला पार्टी और गठबंधन में शामिल घटकों के साथ बातचीत कर के ही लिया जाएगा। एकनाथ शिंदे और उनके गुट के 15 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग संबंधी उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाले शिवसेना धड़े की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई होने वाली है। सुनवाई से पहले शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत का भी बयान सामने आया है। अपने बयान में राउत ने कहा कि जिस तरह से महाराष्ट्र में एक सरकार को थोपा, वह पूरी तरह से अवैध है। उन्होंने दावा किया कि यह सरकार संविधान के मुताबिक नहीं बनी है। यह विधायकों के अयोग्य होने का मुद्दा है। सर्वोच्च न्यायालय में एक फैसला हो रहा है, उससे पता चलेगा कि देश में संविधान, कानून है या उसकी हत्या हो चुकी है। इसके साथ ही जब संजय राउत ने शरद पवार के बयान महा-विकास अघाड़ी का गठबंधन 2024 में साथ में चुनाव लड़ेंगे पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। संजय राउत ने कहा कि शरद पवार साहब की जो भूमिका है वह समन्वय की भूमिका है और उस बारे में हम सब लोग बैठकर जरूर बात करेंगे। दरअसल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा था कि वह महसूस करते हैं कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के तीनों घटकों शिवसेना, कांग्रेस, राकांपा को वर्ष 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ना चाहिए।

कानपुर के इरफान और शमशाद बाबा बर्फानी के भक्तों की सेवा में लीन, अमरनाथ यात्रा बोर्ड ने सेवादार बनाया

कानपुर। कानपुर के दो मुस्लिम भाई अमरनाथ यात्रा पर गए भक्तों की सेवा में जुटे हैं। बाबा बर्फानी के भक्तों की सेवा की इच्छा लेकर लोडर चलाने वाले सगे भाई इरशाद और शमशाद खुद से कानपुर की शिव सेवक समिति के पास गए थे। लंगर के सामान और 5 ई-रिक्शा लेकर समिति के सदस्यों के साथ दोनों भाई बालटाल पहुंच गए और तबसे वहीं रुककर भक्तों की सेवा में जुटे हैं।

बता दें कि कानपुर की शिव सेवक समिति के सदस्य हर साल बाबा अमरनाथ के भक्तों की सेवा के लिए बालटाल जाते हैं। साथ में लंगर का सामान भी ले जाते हैं। वहां शिविर लगाते हैं। इस बार भक्तों को लाने-ले जाने के लिए पांच ई-रिक्शा भी वहां भेजे गए हैं। समिति के महासचिव शीलू वर्मा के अनुसार, अबकी सामान भेजने की बारी आई तो लोडर चलाने वाले इरशाद खुद उनके पास आए और अमरनाथ जाने की इच्छा जताई। उनके साथ भाई शमशाद भी लोडर से सामान लेकर अमरनाथ तक गए और इसके बदले में किराया सिर्फ उतना लिया, जितना खर्च आया।

और वहीं रुक गए...

आश्चर्य की बात तो ये है कि बाबा के दरबार में पहुंचने के बाद दोनों भाइयों का मन बदल गया और सेवा के लिए समिति के सदस्यों के साथ वहीं रहने की ठान ली। सबसे

पहले उन्होंने बाबा अमरनाथ के दर्शन किए और फिर सेवा में लग गए। शहर में लोडर चलाकर अपनी रोजी-रोटी जुटाने वाले जूही गढ़ा निवासी इरशाद और शमशाद अब 18 जून से बालटाल शिविर में हैं। लोडर भी वहीं खड़ा है, जिसके बदले उन्हें कुछ नहीं मिलना है। दोनों भाई शहर से गए पांच ई-रिक्शा में से दो चलाते हैं। इससे भक्तों को बराड़ी मार्ग के 2.5 किमी तक ले जाते हैं। अब तो उनकी सेवा को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने सेवादार का कार्ड भी जारी कर दिया है।

इंसानियत की सेवा

फोन पर इरशाद ने बताया कि भक्तों को जब ई-रिक्शा से छोड़ते हैं तो उसके आगे ज्ञान गिरी आश्रम से गुफा के रास्ते में बड़ी संख्या में लोग लड़खड़ाते मिलते हैं। उन्हें सहारा देना पड़ता है। ऐसे करीब 180 बुजुर्गों, दिव्यांगों और न चल पाने वाले भक्तों को दोनों भाई रोज सहारा देते हैं। दोनों भाइयों का कहना है कि बाबा की बड़ी महिमा सुनी थी। इससे ठाना था कि एक बार दर्शन करने जरूर जाऊंगा। सामान पहुंचाने के बहाने यह मौका भी मिल गया। यहां आकर लगा कि इंसानियत की सेवा भी कर लेनी चाहिए, यही सबसे बड़ा धर्म है। जब खुदा अपने बंदों में कोई फर्क नहीं करता तो हम भला क्यों करें। अमरनाथ में बादल फटने के बाद पैदा हुए हालात में तो वे लगातार बिना सोए रात-दिन श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं।

मुस्लिम इलाकों में जुमे पर बंद कराए जा रहे स्कूल, अफसरों को फटकार; एक सप्ताह में आएगी पूरी रिपोर्ट

रांची। झारखंड के सरकारी प्राथमिक व मध्य विद्यालयों का नाम उर्दू स्कूल करने के मामले की शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने जांच का आदेश दे दिया है। उन्होंने राज्य के सभी जिलों में इसकी जांच कराने को कहा है। किस जिले में किन-किन स्कूलों के नाम उर्दू स्कूल में बदले गये हैं और कहां-कहां शुक्रवार को अवकाश दिया जा रहा है, इसकी एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट मांगी है।

इसमें सरकार के नियम के विरुद्ध काम करने वाले अधिकारियों और शिक्षकों पर कार्रवाई भी की जाएगी। शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने रविवार को प्राथमिक शिक्षा निदेशक दिलीप टोप्पो, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की राज्य परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी, जामताड़ा के डीईओ-डीएसई अभय शंकर समेत प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी। शिक्षा मंत्री ने प्राथमिक शिक्षा निदेशक और जेईपीसी की एसपीडी को निर्देश दिया कि राज्य भर में जांच करायी जाए कि कितने स्कूलों का नाम बिना अनुमति के उर्दू स्कूल कर दिया गया है। राज्य में ऐसे कितने स्कूल हैं जहां शुक्रवार को छुट्टी होती है। ऐसे स्कूलों के प्रधानाध्यापक समेत यह स्थिति बहाल करने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी किया जाए और उनसे स्पष्टीकरण पूछा जाए। अगर उनकी ओर से संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता है तो उन पर कार्रवाई की जाए।

एक सप्ताह में इसकी रिपोर्ट दी जाए।

अधिकारियों को लगाई फटकार

शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को फटकार भी लगाई कि वे फिल्ड में नहीं जाते हैं। अगर वे फिल्ड में जाते तो जो स्कूल के नाम अपने आप नहीं बदल जाते। बैठक में कुछ अधिकारियों ने स्थानीय दबाव का हवाला दिया तो शिक्षा मंत्री ने कहा कि किसी के दवाब में आने की आवश्यकता नहीं है। सरकार का जो नियम उसी का पालन होगा। जामताड़ा समेत दूसरे जिलों में भी मुस्लिम बहुल इलाकों में स्कूलों के नाम के आगे उर्दू जोड़ने का मामला सामने आया है। इनमें भी शुक्रवार को अवकाश और रविवार को स्कूल खोजा जा रहा है।

दो दिन में मांगा जवाब

करमाटांड़ व नारायणपुर प्रखंड अन्तर्गत कई हिन्दी विद्यालयों को उर्दू स्कूल की तर्ज पर रविवार की जगह शुक्रवार हो होने वाली साप्ताहिक अवकाश के मामले में जिला शिक्षा विभाग ने संज्ञान लिया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधीक्षक अभय शंकर ने करमाटांड़ व नारायणपुर के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी से दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण का जवाब मांगा है। जिसमें बीईईओ से जानकारी मांगी गई है कि उनके द्वारा समय-समय पर विद्यालय का निरीक्षण एवं अनुश्रवण किया जाता है। परंतु बीईईओ के स्तर से कभी भी जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय को यज जानकारी उपलब्ध नही करायी गई है कि बहुत सारे हिन्दी विद्यालय को उर्दू विद्यालय तर्ज पर संचालित किया जाता है। विभाग ने इस मामले में खेद जताया है और बीईईओ की लापरवाही माना है।

क्या है मामला-करमाटांड़ व नारायणपुर के इलाके में स्कूल मैनेजमेंट के दबाब पर कई हिन्दी स्कूलों को उर्दू विद्यालय की तर्ज पर रविवार को पढ़ाई एवं शुक्रवार को साप्ताहिक छुट्टी घोषित की गई है। इसके अलावे कुछेक हिन्दी स्कूल के नाम के आगे उर्दू शब्द जोड़ने के मामला भी सामने आया है।

संपादकीय

अलविदा आबे

सबसे लंबे समय तक जापान के प्रधानमंत्री रहे शिंजो आबे अपने मुल्क की राजनीति को बहुत बड़ा मोड़ देना चाहते थे। राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज ही नहीं, वह जापानी लोगों के सोचने का तरीका भी बदल देना चाहते थे। कुछ हद तक वह कामयाब भी रहे। लेकिन शुक्रवार को जब नारा शहर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई, तब जापान की राजनीति अचानक एक दूसरे मोड़ पर जा खड़ी हुई। उसकी राजनीति दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से हमेशा ही हिंसा और आक्रामकता जैसी चीजों से दूर रही। हत्या की बात तो खैर सोची भी नहीं जा सकती थी। जापान दुनिया का शायद अकेला ऐसा देश है, जिसने अपनी संपन्नता और आर्थिक ताकत के बावजूद न सिर्फ एक देश के रूप में हथियारों से दूरी बनाए रखी, बल्कि अपने समाज को भी इससे दूर रखा। जापान में नागरिकों को हथियार खरीदने या अपने पास रखने की इजाजत नहीं है। बंदूकें तो दूर, लोग परंपरागत तलवार भी अपने पास नहीं रख सकते। हिंसा से लगातार इतनी दूरी बनाकर रखने वाले देश में अगर एक सबसे लोकप्रिय पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या हो जाए, तो यह उस मुल्क के लिए कितना बड़ा सदमा होगा, इसे सिर्फ समझा ही जा सकता है।

हालांकि, ये सब चीजें जिस अतीत और सोच की उपज थीं, शिंजो आबे उसे पूरी तरह बदल देना चाहते थे। कहा जाता है कि हिरोशिमा और नागासाकी के दुखद अध्याय ने जापान को जो घाव दिए थे, वह उससे अभी तक उबर नहीं सका। शिंजो आबे जापानी जनमानस को दूसरे विश्वयुद्ध के उस भूत से पूरी तरह मुक्त करना चाहते थे, जो हरदम लोगों के दिलो-दिमाग पर सवार रहता है। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जब एक तरह से अमेरिका का वहां कब्जा था, जापान ने अपना संविधान बनाया था, जिसमें यह प्रावधान था कि जापान की अपनी कोई आक्रमणकारी सेना नहीं होगी। आबे इसी को बदलना चाहते थे। वह एक ऐसा जापान बनाना चाहते थे, जो दुनिया के तमाम देशों की तरह ही एक सैनिक शक्ति भी हो। इसके लिए उन्होंने विश्वयुद्ध के पहले के उस जापानी राष्ट्रवाद को जगाने की कोशिश की, जिसका लोहा पूरी दुनिया मानती थी। लेकिन इसमें वह एक हद के बाद नाकाम रहे। जापान को उसके अतीत के वात, कफ और पित्त से मुक्ति दिलाने का आबे का अभियान यहीं तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने चीन से पुरानी दुश्मनी को खत्म करने की भी कोशिश की। बीजिंग यात्रा पर जाने वाले वह पहले प्रधानमंत्री बने। जापानी साम्राज्य के दौर में वहां की फौज ने जो ज्यादतियां की थीं, उनके लिए शिंजो आबे ने चीन और कोरिया से माफी भी मांगी।

शिंजो आबे को इसलिए भी याद किया जाएगा कि उन्होंने जापानी औरतों को सत्ता की अगली पायदान तक ले जाने कोशिश की। जापान की दिक्कत यह है कि वहां बुजुर्ग आबादी का अनुपात काफी ज्यादा है और लगातार बढ़ रहा है। आबे ने युवा कामगारों और अगुवा लोगों की कमी का समाधान महिला सशक्तीकरण से निकालने की कोशिश की। इससे वह जापानी अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने में कामयाब भी हुए। इसी बीच जिस दिन उन्होंने जापान में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड कायम किया, उसके चार दिन बाद ही उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कारण बताया गया खराब स्वास्थ्य। हालांकि, राजनीति में वह सक्रिय रहे और एक राजनीतिक सभा में ही उनकी हत्या हुई।

रोजगार सृजन की चुनौती, सामुदायिक वानिकी और आय सृजन

कुलभूषण उपमन्यु

आज देश में रोजगार सृजन बड़ी चुनौती के रूप में उभर रहा है। ऐसे में जिन राज्यों के पास पर्याप्त वन भूमि है, वे सामुदायिक वानिकी के माध्यम से बड़े पैमाने पर आय और रोजगार सृजन कर सकते हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने इस दिशा में एक अच्छा प्रयोग करने का साहस किया है, जिसमें वन विभाग, ग्राम वन विकास समिति, और स्वयं सहायता समूह में समझौता होगा। इस समझौते के अंतर्गत बांस उत्पादन के लिए स्वयं सहायता समूह को भूमि आवंटित की जाएगी। समूह को अच्छी बांस की पौध दी जाएगी और मनरेगा के तहत रोपण कार्य की मजदूरी भी दी जाएगी। समूह चार-पांच वर्ष में प्रति हेक्टेयर २-३ लाख रुपये कमाने लगेगा। और यह आय ४०-५० वर्ष तक जारी रहेगी, क्योंकि बांस का पौधा ४०-५० वर्ष तक उपज देता रहता है।

पर्वतीय क्षेत्रों में भी इस योजना में और सुधार किया जा सकता है। ऐसे बांस रोपण क्षेत्रों में यदि ५० प्रतिशत में बांस और शेष में फल, चारा, दवाई प्रजातियों के पौधे रोपे जाएं तो विविधता पूर्ण आय के स्त्रोत खड़े हो सकते हैं। किसान पशुपालन को भी बढ़ा सकते हैं और फलों की बिक्री से भी आय बढ़ा सकते हैं। सरकार को कार्बन क्रेडिट का लाभ मिल सकता है। वर्तमान परिस्थिति में जहां-जहां वन अधिकार कानून के तहत समुदायों को सामुदायिक अधिकार मिल चुके हैं, वहां ग्राम वन प्रबंध समिति उस एक्ट के तहत बनाई जा सकती हैं, जो ज्यादा स्थाई और कानून द्वारा पुष्ट आधार होगा।

दुनिया में भारत दूसरे नम्बर का बांस उत्पादक है। पहले दर्जे पर चीन है। हालांकि भारत में १३० लाख हेक्टेयर में बांस का उत्पादन हो रहा है और चीन में ४५ लाख हेक्टेयर में। किन्तु भारत की प्रति हेक्टेयर बांस की उपज

जहां २-३ टन है वहां चीन ४५ टन प्रति हेक्टेयर की पैदावार ले रहा है। इसका अर्थ यह हुआ की हमें अपनी उपज बढ़ाने के लिए भारी प्रयास करने की जरूरत है। भारत में बांस की मांग लगभग ४० मिलियन टन है जिसमें लगातार बढ़ोतरी होने की संभावना है। बांस का वर्तमान उपयोग दस्तकारी, लघु इमारती लकड़ी, कागज बनाने, और थोडा बहुत इसकी राइजोम को सब्जी या अचार बनाने के लिए भी उपयोग किया जाता है किन्तु सस्ती इमारती लकड़ी, प्लाई वुड बनाने, और कागज की बढ़ती मांग के कारण बांस की मांग बढ़ने वाली है, इसके साथ बांस से एथनोल बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। इससे भी बांस की मांग में भारी बढ़ोतरी होने की संभावना है। पांच प्रतिशत एथनोल पेट्रोल में मिलाने के स्तर को २२ प्रतिशत तक बढ़ाने के प्रयास हो रहे हैं। इससे भी बांस की मांग बढ़ेगी और भारी मात्रा में पेट्रोल पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा बचेगी। बांस का पौधा ३५ प्रतिशत अधिक आक्सीजन देता है और पशुओं के लिए चारे के रूप में इसकी पत्तियां प्रयोग में लाई जाती हैं।

बांस का पौधा ऊष्णकटिबंधीय और शीतोष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रों में सफलता पूर्वक उगाया जा सकता है। बांस में बीज ४० से ८० वर्ष में एक बार आते हैं। बीज आने के बाद वह पौधा मर जाता है। नया लगाना पड़ता है। बीज से तैयार पौधा जहां ७-८ वर्षों में कटाई योग्य होता है वहां राइजोम से लगाया गया पौधा चार साल में ही कटाई योग्य हो जाता है। किन्तु राइजोम बड़ी संख्या में उपलब्ध करने में कठिनाई होती है। इसलिए टिशु कल्चर से पौधे तैयार करना बेहतर विकल्प हो सकता है। पालमपुर विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश ने बांस के चोटी की गांठों को गन्ने की रोपाई की तरह लगाकर पौधे तैयार करने की अच्छी तकनीक विकसित की है। भारत सरकार बम्बू मिशन के तहत बांस रोपण को बढ़ावा दे रही है किन्तु यह निजी भूमि तक ही सीमित है, इसे सामुदायिक भूमि तक विस्तारित किया जाना चाहिए, ताकि वन क्षेत्र में बढ़ोतरी के साथ साथ रोजगार सृजन भी हो सके।

भूमिहीन वर्ग जो इस तरह की गतिविधि में रुचि रखता हो और सक्षम हो, उन्हें भी एक लाभकारी रोजगार के साथ जोड़ा जा सकता है। एक एकड़ में बांस के लगभग २०० पौधे लगाए जा सकते हैं। चार साल के बाद प्रति वर्ष लगभग २००० बांस निकाले जा सकते हैं। इससे १०० रुपये प्रति बांस के हिसाब से दो लाख रुपये कमाए जा सकते हैं। स्थानीय मांग सीमित होने की स्थिति में कागज उद्योग की मांग पर निर्भर रहना होगा, सरकार यदि रोपण योजना शुरू करने से पहले ही उद्योग से तालमेल बना ले तो किसान को बिक्री में कोई कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा। अच्छी उपज लेने के लिए इलाके की जलवायु के हिसाब से प्रजाति चयन बहुत जरूरी है।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए डेंडरोकैल्मुस स्ट्रिक्टुस और हैमिलटन अच्छी प्रजातियां मानी जाती हैं। मध्य प्रदेश की तर्ज पर यदि योजना बना कर सामुदायिक भूमि में स्वयं सहायता समूह बनाकर और ग्राम वन प्रबंध समितियों का वन अधिकार कानून के तहत गठन करके इस योजना को क्रियान्वित किया जाए तो बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन के साथ पर्यावरण संरक्षण कार्य सफलता से किया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के निचले क्षेत्र इसके लिए उपयुक्त हैं। यहां पहले से ही बांस लोग अपने खेतों में लगा रहे हैं। वनों में भी बांस लगाए गए हैं किन्तु बहुत जगह देखा गया है की उनकी किस्म बहुत हल्की है जो बेहतर उपज देने की दृष्टि से उपयुक्त नहीं मानी जा सकती है। कृषि विश्वविद्यालय, वन विभाग, कृषि विभाग का संयुक्त कार्यान्वयन समूह बनाकर इस कार्य को किया जा सकता है। वन विभाग और कृषि विश्वविद्यालय पौध तैयार करने से शुरुआत करें। कृषि विभाग भी इसमें मदद कर सकता है। बांस की बड़े स्तर पर बिक्री व्यवस्था के लिए कागज उद्योग के साथ तालमेल करके व्यवस्था खड़ी की जा सकती है।

यह चर्चा ही न रह जाए सही दिशा भी मिले

पचास वर्षों में हमने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं, परंतु क्या हमने वास्तव में अपनी क्षमता का पूरा उपयोग किया है? हम जनता की आशाओं और आकांक्षाओं से पूरी तरह अवगत हैं। ...क्या हम इन आवश्यकताओं को पूरा कर पाए हैं? क्या संसाधनों से भरपूर इस देश ने जनता की आवश्यकताओं को पूरा किया है? मैं समझता हूं कि आपने ठीक ही कहा है कि भारत तो समृद्ध है, किंतु इसकी जनता निर्धन है।...

मैं उन भाग्यशाली लोगों में से हूं, जिन्हें १५ अगस्त, १९४७ के दिन जनता के आनंद और उत्साह को देखने का अवसर प्राप्त हुआ था, परंतु क्या हम यह कह सकते हैं कि जनता का वही आनंद व उत्साह अभी भी बना हुआ है? आज उस भावना का अभाव है। क्या हमें इसकी समुचित समीक्षा और आत्म-निरीक्षण नहीं करना चाहिए?...स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश का विभाजन हुआ और इस विभाजन से पूर्वी पाकिस्तान और पश्चिमी पाकिस्तान के अनेक लोगों का भारी नुकसान हुआ। करीब अस्सी लाख लोग पूर्वी पाकिस्तान से भारत आए। पचास वर्ष के पश्चात आज भी हम उनका पूरी तरह पुनर्वास नहीं कर पाए हैं।... यह एक ऐसा दायित्व है, जिसके निर्वहन की जिम्मेदारी पंडित जवाहरलाल नेहरू ने ली थी। उन्होंने इस देश की जनता को आश्वासन दिया था कि भारत में आए प्रत्येक भाई-बहन को समान सम्मान और अवसर दिया जाएगा। परंतु महोदय, दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हुआ। यह हमारे शरीर में, हमारी सामाजिक व्यवस्था में कष्टकारक घाव है। यह इस बात से भी स्पष्ट होता है कि सांप्रदायिकता की जड़ें कितनी गहरी हो गई हैं और भारत जैसा देश सांप्रदायिकता के आधार पर कैसे विभाजित हुआ था? इसलिए मैं समझता हूं कि दुर्भाग्यवश लाखों विस्थापित इस विभाजन के शिकार हुए? यह एक ऐसी समस्या है, जिसका संतोषजनक समाधान ढूंढ़ा जाना बाकी है। हम गांधी जी की बातें कर रहे हैं, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद गांधी जी ने ऐसे भारत की कल्पना की थी, जिसमें प्रत्येक की आंखों से आंसू पोंछने के लिए लोक सेवा और सामाजिक सेवा की व्यवस्था होगी।...

मैं यह अनुभव करता हूं और इस सम्मानित सभा को यह बताना चाहता हूं कि इस देश के लिए गठित यह प्रशासनिक ढांचा अर्थात अर्द्धसंघीय प्रशासन देश के अनुरूप सिद्ध नहीं हुआ है। हमने केंद्र को मजबूत करने के बारे में सोचा था, क्योंकि उस समय यह सोचा गया था कि केवल एक मजबूत केंद्र ही देश को विघटित होने से बचा सकता है। परंतु दुर्भाग्यवश, इसके परिणामस्वरूप वर्षों से अधिक से अधिक सत्ता कुछ लोगों के पास केंद्रित होती जा रही है।...इस विशाल देश के इतने अधिक राज्यों में से केवल एक या दो क्षेत्र ही विकसित क्यों हुए हैं। केवल एक या दो क्षेत्रों में ही संसाधन क्यों उपलब्ध हैं? हमारे पूर्वोत्तर भारत अथवा पूर्वी भारत या मध्य भारत के नागरिकों ने क्या गुनाह किया है? उन्हें ऐसे ही अवसर क्यों नहीं दिए जाने चाहिए?

आज आप कहते हैं कि लोग उन क्षेत्रों में जाएंगे, जहां पर्याप्त बुनियादी ढांचागत सुविधाएं हैं। लेकिन इन सुविधाओं के लिए कौन जिम्मेदार रहा है? क्या हमारा अखिल भारतीय दृष्टिकोण है? क्या हमने कभी वास्तविक योजना प्रक्रिया के बारे में सोचा है, जो इस देश के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर विकास लाएगी? आज इसीलिए क्षेत्र बंटे हुए हैं, लोगों के बीच अविश्वास है, आतंकवाद की समस्याएं हैं। इस देश के विभिन्न क्षेत्रों के नौजवान इतने अधिक असंतुष्ट हैं कि वे हथियारों का सहारा ले रहे हैं। वर्गों की स्थिति, स्तर और मान्यता के बारे में जातीय समस्याएं हैं। सारे देश में एक प्रकार की पहचान संबंधी समस्याएं पैदा हो गई हैं, जिससे हमारे देश के विकास में मदद नहीं मिली है।...

हम क्या कर रहे हैं? क्या मैं पूछ सकता हूं कि हमने लोगों को नौकरियां देने के लिए क्या किया है?

...हतोत्साहित कामगार वर्ग के आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया पर प्रतिकूल असर पड़ने की संभावना है, उनको इतनी अधिक धनराशि की अदायगी बाकी है। उनका उचित आदर नहीं किया जाता है।...यह चर्चा केवल चर्चा ही न बनी रह जाए, इससे हमें कोई दिशा मिलनी चाहिए।...ये ५० वर्ष देश के पुनर्निर्माण और विकास के वर्ष होने चाहिए थे, लेकिन हमने कदाचित इसका बहुत बड़ा हिस्सा निर्देश देने में गंवा दिया है...। सभी वर्गों से अनुरोध है कि वे दूसरे स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हों।

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

राजग के पक्ष में अंतरात्मा की आवाज

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति निर्वाचित होना तय है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश की सत्तारूढ़ पार्टियों ने उनके समर्थन की घोषणा की है। इससे द्रौपदी मुर्मू प्रथम वरीयता मतों के आधार पर ही निर्वाचित हो जाएंगी। सभी समर्थक पार्टियां एकजुट हैं। दूसरी तरफ विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। संख्याबल और विचारधारा दोनों के आधार पर वह बहुत पीछे रह गए हैं। वह विपक्ष की पहली पसंद भी नहीं थे। सबसे पहले राष्ट्रपति पद के लिए शरद पवार का नाम आगे किया गया था। पराजय को सुनिश्चित मानते हुए उन्होंने यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था। इसके बाद फारुख अब्दुल्ला के समक्ष पेशकश की गई। वह भी अपनी फजीहत के लिए तैयार नहीं हुए। अंत में यशवंत सिन्हा ही पकड़ में आए। वह भी बहुत अनुभवी हैं। अपनी पराजय का उन्हें भी अनुमान होगा। लेकिन पिछले आठ वर्ष से वह नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध एक प्रकार की कुंठा से ग्रसित हैं। इसके लिए वह इधर-उधर भटक रहे थे।

तृणमूल कांग्रेस खेमे में पहुंचना इसी भटकाव का ही परिणाम था। ममता बनर्जी के निर्देश पर वह राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बन गए। उन्होंने इसे नरेन्द्र मोदी पर हमला करने का एक अवसर माना। वह विचारधारा की बात कर रहे हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में अनेक पाले बदले हैं। अब वह किस विचारधारा में है, यह भी स्पष्ट होना चाहिए। विपक्षी दलों में भी आपसी मतभेद कम नहीं है। ममता बनर्जी ने तो यशवंत सिन्हा को मझधार में छोड़ दिया है। उन्होंने कहा है कि द्रौपदी मुर्मू के उम्मीदवार होने का पहले पता होता तो विपक्ष अपना उम्मीदवार नहीं उतारता। इस तरह ममता बनर्जी ने यह स्वीकार कर लिया है कि द्रौपदी मुर्मू अधिक उपयुक्त उम्मीदवार हैं।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रपति चुनाव से संबंधित दो दिलचस्प दृश्य दिखाई दिए। राजग उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में भारी उत्साह रहा। विधानसभा चुनाव और उपचुनाव की सफलता और सौ दिन की उपलब्धियों का भी उत्साह इसमें परिलक्षित था। दूसरी तरफ विपक्षी उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की लखनऊ यात्रा उदासी में बीत गई। विपक्षी खेमे में विफलता और गठबंधन में दरार के चलते निराशा है। यशवंत सिन्हा को ममता बनर्जी की पहल से उम्मीदवार बनाया गया था। लेकिन उन्होंने अब हाथ खींच लिया है। हो सकता है कि विपक्षी मतदाता भी अंतरात्मा की आवाज पर द्रौपदी मुर्मू को वोट करें। राष्ट्रपति निर्वाचन मंडल में सर्वाधिक वोट होने के कारण उत्तर प्रदेश का विशेष महत्व है। यह संयोग है कि करीब चौबीस घंटे के अंतराल में द्रौपदी मुर्मू और यशवंत सिन्हा लखनऊ यात्रा प्रवास पर थे। वस्तुतः यहां से द्रौपदी मुर्मू की विजय का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। विपक्ष ने नकारात्मक राजनीति का अमल किया है। अन्यथा इस चुनाव की आवश्यकता ही नहीं थी। देश सर्वोच्च पद पर वनवासी समुदाय की सदस्य को देखना चाहता है। विपक्ष ने केवल निर्विरोध निर्वाचन की संभावना को समाप्त किया है। इससे विपक्ष की प्रतिष्ठा कम हुई है। राष्ट्रपति चुनाव में आमजन की कोई भूमिका नहीं होती है। बावजूद इसके द्रौपदी मुर्मू के प्रति आमजन का समर्थन दिखाई दे रहा है। उनके लखनऊ आगमन पर लोगों ने उत्साह प्रदर्शित किया। लोक कलाकारों ने परम्परागत ढंग से उनका स्वागत अभिनन्दन किया। प्रदेश सरकार में मंत्री असीम अरुण भी अपनी प्रसन्नता रोक नहीं सके। उन्होंने भी लोक कलाकारों के साथ ढोल बजाया। अनुच्छेद ५२ के अनुसार भारत का एक राष्ट्रपति होगा।अनुच्छेद ५३ में राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति निर्वाचन नियम, १९७४ के उपबंधों द्वारा संपूरित किया गया है, एवं और नियमों के अधीन उक्त अधिनियम राष्ट्रपति के पद के निर्वाचन के आयोजन के सभी पहलुओं को विनियमित करने वाला एक संपूर्ण नियम संग्रह का निर्माण करता है। अनुच्छेद ५४ के अनुसार राष्ट्रपति का चयन एक निर्वाचक मंडल करता है। उसमे संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य एवं राज्यों की विधानसभाओं एवं साथ ही राष्ट्रीय राजधानी, दिल्ली क्षेत्र तथा संघ शासित क्षेत्र,पुदुचेरी के निर्वाचित सदस्य सम्मिलित होते हैं। संविधान के अनुच्छेद ५५ (३) के अनुसार, राष्ट्रपतीय निर्वाचन एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुरूप किया जाएगा और ऐसे निर्वाचन में गोपनीय मतपत्रों द्वारा मतदान किया जाएगा। अनुच्छेद ५८ के तहत, एक उम्मीदवार को राष्ट्रपति के पद का चुनाव लड़ने के लिए अनिवार्य रूप भारत का नागरिक होना चाहिए, ३५ वर्ष की आयु पूरी करनी चाहिए, लोकसभा का सदस्य बनने के योग्य होना चाहिए। इसके साथ ही भारत सरकार या किसी राज्य की सरकार के अधीन या किसी स्थानीय या अन्य प्राधिकरण के अधीन किसी भी उक्त सरकार के नियंत्रण के अधीन लाभ का कोई पद धारण नहीं किया होना चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

हेल्थ केयर फैसिलिटी की सहज उपलब्धता जरूरी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही लाख दावे किए जाते रहे हों पर भारत ही नही दुनिया के अधिकांश देशों में हेल्थ केयर फैसिलिटी की की स्थिति संतोषजनक नहीं है। दुनिया का कोई एक देश चाहे वह अमेरिका ही क्यों न हो कोरोना के दौरान अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर खरा नहीं उतर सका। ऐसे लगा जैसे चारों और सब असहाय हो गए। जो कुछ भी उस दौरान हुआ उसे देश की भाषा में भगवान भरोसे कहते हैं। मेडिकल क्षेत्र में एक से एक अग्रणी देश कोविड के सामने हार मानने को मजबूर हो गए। खासतौर से सबसे अधिक समस्या हेल्थ केयर फैसिलिटी को लेकर आई। ईश्वर न करे कभी कोरोना जैसी महामारी दुनिया में आए। कोविड के सबक को देखते हुए दुनिया के देशों को हेल्थ केयर फैसिलिटी के विस्तार की ओर तो अब ध्यान देना ही होगा।

कहने को कोरोना दौर अब अवसान की ओर है पर कोरोना ने जो सबक सिखाए हैं उनसे सीख लेकर आगे बढ़ने का अब समय आ गया है। भारत में भी कोरोना के पहले दौर में डरावनी स्थिति रही। दूसरे दौर में ऑक्सीजन की कमी ने कोहराम मचाया। ऑक्सीजन प्लांट लगाने और ऑक्सीजन कंस्ट्रेटर की मांग घर-घर में होने लगी तो इनके निर्माताओं ने चांदी कूटने में कोई कमी नहीं छोड़ी। ऐसे में अब भविष्य की चुनौतियों की और ध्यान देना आवश्यक हो गया है। इसके बाद जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता कोविशिल्ड और कोवेक्सिन का निर्माण काबिले तारीफ है। यह दूसरी बात है कि कुछ लोभी व मानवता के दुश्मन इस अवसर को भी भुनाने का प्रयास करते रहे। जीवनरक्षक दवाओं की कालाबाजारी और मुनाफाखोरी में पीछे नहीं रहे। खैर इस तरह के लोग तो हर युग व हर समाज में होते आए हैं।

इस बीच हेल्थ केयर फैसिलिटी की खासी कमी ने लोगों को खूब रुलाया। कोरोना से सबक लेते हुए अब चिकित्सा सेवाओं के विस्तार की अधिक आवश्यकता हो गई है। कहने को तो देश में नए एम्स खुलने के साथ ही सरकारी अस्पतालों में तेजी से विस्तार हो रहा है। देश में निजी क्षेत्र के बड़े-बड़े ग्रुप्स यहां तक कि अब तो पांच सितारा अस्पतालों में होड़ मच गई है। इस सबके बावजूद हेल्थ केयर की बेसिक फैसिलिटी से दो चार होना पड़ा है। कोरोना के समय बेसिक हेल्थ केयर फैसिलिटी क्या चाहिए थी। अस्पताल में एक बिस्तर, आक्सीजन की सुविधा और बीमारी के समय अस्पताल में उपलब्ध होने वाली सामान्य सुविधा। भारत ही नहीं, दुनिया के अधिकांश देशों को इस बेसिक फैसिलिटी से दो-चार होना पड़ा।

अब सरकारों को स्वास्थ्य के क्षेत्र में चिकित्सकों, मेडिकल और पेरा मेडिकल कार्मिकों और सामान्य सुविधाओं के विस्तार की ओर ध्यान देना होगा। स्वास्थ्य सेवाओं में आधारभूत संरचना विकसित करनी होगी।ताकि भविष्य में आम आदमी खासतौस से गरीब से गरीब आदमी को आसानी से हेल्थ केयर फेसिलिटी उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही निजी क्षेत्र के चिकित्सालयों में भी एक सीमा तक आम आदमी की पहुंच को आसान बनाना होगा। क्योंकि निजी क्षेत्र के विकास के लिए भी सरकार भूमि से लेकर अन्य तरह की पचासों रियायतें उपलब्ध कराती है तो एक सीमा तक आम आदमी को भी वहां उसकी पहुंच के बजट में सुविधाएं उपलब्ध हों।(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

छत्तीसगढ़:जल आबंटन के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा एवं प्रस्तावों को मंजूरी

रायपुर: मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राज्य जल संसाधन उपयोगिता समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जल संसाधन विभाग के अंतर्गत राज्य के विभिन्न जलाशयों के जल उपयोगिता, उपलब्धता एवं आबंटन तथा जल जीवन मिशन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और विभिन्न उद्योगों के उपयोग हेतु जल आबंटन के प्रस्तावों पर भी विस्तार से चर्चा की गई एवं प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बिलासपुर जिले के २१ गांव और महासमुंद के ४८ गांव, मुंगेली के ३४ ग्रामों को वहां के जल प्रदाय हेतु जल आबंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसी तरह से कोण्डागांव जिले के ३३ ग्रामों और मुंगेली के २०६ ग्राम बेमेतरा के ६१ ग्रामों और सूरजपुर के ७६ ग्रामों को समूह जल प्रदाय योजना को जल जीवन मिशन के अंतर्गत वहां के जलाशयों से वार्षिक जल आबंटन प्रदाय स्वीकृति के प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई।

राज्य जल संसाधन उपयोगिता समिति की बैठक में विभिन्न जिलों में स्थित उद्योगों को जल आबंटन के प्रस्तावों की भी स्वीकृति दी गई। इनमें रायगढ़ जिले में मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एवं पॉवर लिमिटेड, जिला बलरामपुर में मेसर्स इंद्रमणी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को तथा जिला नारायणपुर में मेसर्स जायसवाल निको इंस्ट्रीज लिमिटेड रायपुर को जल आबंटन हेतु प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। इसी तरह से जिला बलौदाबाजार भाटापारा में मेसर्स जी.ओ.एस. इस्पात प्राइवेट लिमिटेड को वार्षिक जल आबंटन प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के सचिव मनोज पिंगुवा, जल संसाधन विभाग के सचिव अन्बलगन पी., लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव धनंजय देवांगन, ऊर्जा विभाग के सचिव अंकित आनंद, कृषि विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, वित्त विभाग की विशेष सचिव श्रीमती शीतल शाश्वत वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मछली पकड़ने के दौरान जाल में फंसकर डूबने से युवक की हुई मौत

जगदलपुर: नगर के गंगामुंडा तालाब में मछली पकड़ने गये युवक नरेन्द्र की पानी में डूबने से मौत हो गई। वार्ड पार्षद को घटना की जानकारी मिलने पर घटना स्थल पहुंचकर शव को तालाब से निकालने के बाद अस्पताल भेजने की व्यवस्था की। पोस्ट मार्टम के बाद शव को परिजनो को सौंपा गया।

मिली जानकारी के अनुसार जवाहर नगर वार्ड निवासी नरेन्द्र मछली पकड ? के लिए जाल लेकर अल-सुबह गंगामुंडा तालाब पहुंचा था। तालाब के अंदर जाकर जाल फेंकने के दौरान जाल में फंस गया और पानी में डूबने से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पार्षद धनसिंह नायक मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकलवाने के साथ ही अस्पताल में पीएम के लिए भेजने की व्यवस्था करवाई।

देवरी पतरा के खंडित शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा, भंडारा और अखंड कीर्तन १३ जुलाई को

खूंटी: कर्रा प्रखंड के बिकुवादाग चांपी ग्राम स्थित देवरी पतरा के खंडित शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा १३ जुलाई गुरु पूर्णिमा के दिन होगी। उक्त देवस्थल पर प्राण प्रतिष्ठा के साथ अखंड हरिकीर्तन और भंडरा का भी आयोजन किया जायेगा। इस आशय की निर्णय सोमवार को दिवरी पतरा स्थित देव स्थल पर ग्रामीणों की हुई बैठक में लिया गया। ज्ञात हो कि कुछ असामाजिक तत्वों ने गत शनिवार की रात दिवरी पतरा के देवस्थल स्थित शिवलिंग को क्षतिग्रस्त कर दिया था। अखबारों के माध्यम से जानकारी मिलने के बाद भाजपा के जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, विश्व हिंदू परिषद के बीरेंद्र सोनी, प्रियांक भगत सहित काफी संख्या में ग्रामीण सोमवार को वहां पहुंचे और घटना की कड़ी निंदा करते हुए शिव लिंग को खंडित करने वाले तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गयी।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि हम लोग दूसरे धर्मों का सम्मान करते हैं। इसी तरह दूसरे धर्मालंबी भी हमारे धर्म का सम्मान करें। हमारे देवी देवताओं को अपमानित करने का अधिकार किसी को नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म से किसी को परेशानी हो, तो उसे मिल बैठ कर आपस में बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन महीनों से पूरे देश में देखने को इस तरह की धार्मिक असहिष्णुता देखने को मिल रही है, जो न तो समाज के हित में है और न ही देश हित में।

मुख्यमंत्री सोरेन से मिले नये उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा

रांची: मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची जिला के नए उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

उल्लेखनीय है कि रांची के नये उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को अपना पदभार संभाल लिया है। सिन्हा ने निवर्तमान उपायुक्त छवि रंजन से प्रभार लिया। राहुल कुमार सिन्हा २०११ बैच के आईएएस हैं।

पिछड़ा वर्ग की सर्वे सूची में ज़्यादातर कांग्रेसी नेताओं के परिवार के नाम - संजय पांडे

जगदलपुर: नगर निगम में भाजपा पार्षद दल ने महापौर अध्यक्ष और आयुक्त को ज्ञापन देकर कहा है कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं पिछड़ा वर्ग की सर्वे सूची में जो गंभीर अनियमितताएं हुई है। उसके लिए नगर निगम को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

पत्र में मांग की गई है कि यह सूची वार्ड में मुनादी कर या उचित स्थान पर पर्याप्त प्रचार-प्रसार करते हुए जन सामान्य के बीच उपलब्ध कराई जाए। जिससे लोग स्वयं देख सकें कि यदि वे आर्थिक रूप से सक्षम है, या आर्थिक रूप से कमजोर हैं तो अपना नाम जुड़वाना या कटवा सकें। वार्ड के राजस्व मोहर्रीर को घर घर जाकर सूची दुरुस्त करने अतिरिक्त एवं पर्याप्त समय दिया जाए।

बिंदुवार लिखे पत्र में यह भी कहा गया है कि आर्थिक रूप से कमजोर हेतु पात्र परिवार की अर्हता क्या हो इस विषय में भी पार्षदों को लिखित रूप से तथा प्रशिक्षण के माध्यम से जानकारी दी जाए। सर्वे उपरांत नाम जोड ? और काटने के पश्चात अनुमोदन के पूर्व पार्षदों को ही अवलोकन करने हेतु प्रस्तुत किया जाए तथा दावा आपत्ति हेतु मुनादी और प्रकाशन हो जिसमें नियमानुसार समय भी दिया जावे। नेता प्रतिपक्ष संजय पाण्डेय ने कहा है कि यह विषय विगत आठ जुलाई को सामान्य सभा में विशेष सम्मेलन के माध्यम से लाया गया था जो कि पूर्णत: अवैधानिक था। यह विषय मेयर इन काउंसिल में भी नहीं लाया गया था।सीधा सामान्य सभा में बिना किसी एमआईसी सदस्यों को दिखाएं या किसी भी पार्षदों की जानकारी के लाया गया था, जो कि एक षड्यंत्र का हिस्सा था। यह प्रायोजित षड्यंत्र था, इस सूचि में ज़्यादातर कांग्रेसी आला नेताओं के परिवार से जुड़े लोग थे।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता ने कहा है कि महापौर ने सदन को गुमराह किया कि उन्होंने इस सूची का निरीक्षण किया है, तो उन्हें जनता को यह बताना चाहिए कि जब ऐसे नामी गिरामी लोग उसमें शामिल थे तो उन्होंने इस सूची में सुधार का कार्य क्यों नहीं करवाया। क्यों इसे अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया ? उन्हें इस बात का खुलासा करना चाहिए यह मात्र त्रुटि है या अपनों को उपकृत करने या उनके खिलाफ षड्यंत्र है ?

ज्ञापन देने में नेता प्रतिपक्ष संजय पांडे, अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, पार्षद निलम यादव, राजपाल क़शेर, महेंद्र पटेल, त्रिवेणी रंधारी, पंकज आचार्य, तेजपाल शर्मा, योगेश शुक्ला, योगेश ठाकुर, रोशन झा, संतोष बाजपेयी, योगेश मिश्रा व आदि उपस्थित थे।

ट्रक ने रेलवे बैरियर को तोड़ा, घटना में बाइक सवार युवक की मौत

दुमका: हंसडीहा थाना क्षेत्र के हंसडीहा-रामगढ़ रेल खंड पर रामगढ़ मोड़ के समीप रेलवे द्वारा लगाए गए बेरियर को सोमवार को अनियंत्रित ट्रक ने तोड़ दिया। घटना में समीप खड़े एक व्यक्ति को बैरियर के लोहे की पाइप से सिर में लग गई। इससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के सिलठा (ए) निवासी लालू यादव (२४) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार हंसडीहा-दुमका रेलखंड पर रामगढ़ मोड़ के समीप सोमवार दोपहर को दुमका-गोड्डा पैसेंजर ट्रेन के गुजरने का समय था। इसी दौरान रेलवे फाटक पर नियुक्त कर्मी के द्वारा बैरियर को लगा दिया गया। बैरियर लगा देख हंसडीहा से घर जा रहा लालू अपने बाइक को सड़क किनारे खड़ी कर बैरियर उठने का इंतजार करने लगा। इसी बीच रामगढ़ की ओर से हंसडीहा की ओर जा रहा तेज रफ्तार ट्रक बैरियर को तोड़ते हुए आगे निकल गया। घटना में बाइक सवार युवक के सिर में बैरियर के लोहे से गम्भीर चोट आई। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। ट्रक चालक ट्रक को लेकर घटना स्थल से कुछ दूरी पर स्थित एक होटल के समीप खड़ा कर फरार हो गया। हंसडीहा पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

पीएलएफआई उग्रवादी मूसा हपदगड़ा मुरहू से गिरफ्तार

खूंटी:एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर मुरहू थाना की पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सक्रिय सदस्य मूसा हपदगड़ा उर्फ नामजन उर्फ कटैया उर्फ इशु को मुरहू बाजार से रविवार को गिरफ्तार कर लिया। मूल रूप से पश्चिम सिंहभूम जिले के बंदगांव थाना अंतर्गत कोंसेया गांव निवासी मार्शल हपदगड़ा का पुत्र मूसा हपदगड़ा की पुलिस को लंबे दिनों से तलाश थी। गिरफ्तार मूसा के विरुद्ध पश्चिम सिंहभूम जिले के टेबो, बंदगांव, गुदड़ी और खूंटी जिले के मुरहू थाना में हत्या, आर्म्स एक्ट, यूएपी एक्ट, १७ सीएलए एक्ट आदि संगीन धाराओं में कुल आठ मामले दर्ज हैं। इनमें से दो मामले मुरहू थाना में कांड संख्या ९८/२० और ४३/२१ दर्ज हैं। यह जानकारी एसपी अमन कुमार ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में दी।

जल जीवन मिशन में रांची जिला अव्वल : निधि खरे

रांची: केंद्रीय उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय (सीसीपीए) की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने यहां कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत रांची जिले में जितनी भी योजनाएं चल रही हैं, सभी अच्छी तरह संचालित हो रही हैं। जल जीवन मिशन में रांची जिला सबसे अच्छा काम कर रहा है।

राजकीय अतिथिशाला में सोमवार को मुख्य आयुक्त दो दिवसीय प्रवास पर झारखंड पहुंचीं हैं। उन्होंने जल जीवन मिशन से जुड़ी योजनाओं का निरीक्षण किया। खरे यहां योजनाओं को लेकर पत्रकारों से वार्ता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मनरेगा और इससे संबंधित केंद्र से चल रही सभी योजनाओं का फंड एक साथ मिला कर काम किया गया है। इसका रिजल्ट अच्छा देखने को मिला है। रांची शहर में गर्मियों के दिनों में पानी की दिक्कत होती है। शहर के डैमों का जल स्तर भी काफी नीचे चला जाता है। वहीं बारिश के पानी को किस तरीके से संचित किया जाए इसपर कार्य किया जा रहा है। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने रांची के कांके, पिठौरिया समेत अन्य स्थानों पर चल रही योजनाओं का निरीक्षण किया।

राज्यपाल रमेश बैस सड़क मार्ग से देवघर रवाना

रांची: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को देवघर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए सोमवार को झारखंड के राज्यपाल रमेश बैस देवघर के लिए रवाना हो गये हैं। राज्यपाल सड़क मार्ग से देवघर पहुंचेंगे, जहां वह रात्रि विश्राम देवघर सर्किट हाउस में करेंगे। इसके बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में राज्यपाल उनकी अगवानी करेंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम और श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को ही देवघर पहुंचे और अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में झारखंड के डीजीपी नीरज सिन्हा, प्रभारी मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता समेत कई आला अधिकारी मौजूद थे।

व्यापार

नीति आयोग के नवनियुक्त सीईओ परमेश्वरन अय्यर ने कार्यभार संभाला

नई दिल्ली: परमेश्वरन अय्यर ने सोमवार को नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के तौर पर कार्यभार संभाल लिया। स्वच्छ भारत मिशन के कार्यान्वयन की अगुवाई करने वाले परमेश्वरन अय्यर की नियुक्ति अमिताभ कांत की जगह की गई है।

जाने-माने स्वच्छता विशेषज्ञ परमेश्वरन अय्यर २०१६-२० के दौरान पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय में सचिव के पद पर कार्यरत थे। अय्यर को जल और स्वच्छता के क्षेत्र में २५ से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने भारत के २० अरब डॉलर के स्वच्छ भारत मिशन के कार्यान्वयन का नेतृत्व किया है, जिसने ५५ करोड़ लोगों को सुरक्षित स्वच्छता तक पहुंच प्रदान की।

अय्यर ने पदभार संभालने के बाद कहा कि वह नीति आयोग के सीईओ के रूप में देश की सेवा करने का अवसर पाकर अपने को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम करने का एक और मौका देने के लिए उनके आभारी हैं। सरकार ने २४ जून को परमेश्वरन अय्यर को नीति आयोग के सीईओ के पर नियुक्त किया गया था। यूपी कैडर के १९८१ बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी रहे अय्यर को सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के साथ काम करने का अनुभव है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने एमसीएलआर ०.३५ फीसदी तक घटाया, सस्ता होगा लोन

नई दिल्ली:होम लोन और ऑटो लोन लेने वाले ग्राहकों के लिए अच्छी खबर है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने अलग-अलग अवधि के कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) में ०.३५ फीसदी तक कटौती की है। बैंक की नई दरें सोमवार से लागू हो गई है। बीओएम ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एमसीएलआर में ०.३५ की कटौती की गई है, जो ११ जुलाई से लागू हो गई है। बैंक के मुताबिक एक साल की अवधि के लिए एमसीएलआर ७.७० फीसदी से घटकर ७.५० फीसदी हो गया है, जो ज्यादातर उपभोक्ता ऋणों के लिए मानक है।

इसी तरह बैंक ने ६ महीने की अवधि के लिए एमसीएलआर में ०.२० फीसदी की कटौती की है, जो अब घटकर ७.४० फीसदी हो गया है। इसके अलावा तीन महीने की अवधि के लिए एमसीएलआर की दर अब ०.३५ फीसदी घटकर ७.२० फीसदी हो गया है। हालांकि, पिछले दिनों कई बैंकों ने एमसीएलआर में इजाफा किया है।

उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के रेपो रेट में इजाफा के बाद कई बैंकों ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर होम, ऑटो और कार लोन महंगा कर दिया है। इसके बावजूद बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने इसमें कटौती की है।

इंडियन ऑयल के निदेशक (पाइपलाइन) पहुंचे बरौनी रिफाइनरी

बेगूसराय: बिहार के एकलौते रिफाइनरी इंडियन ऑयल के बरौनी रिफाइनरी में चल रहे अब तक के सबसे बड़े विस्तारीकरण परियोजना को लेकर लगातार उच्चाधिकारियों का दौरा, निरीक्षण और समीक्षा हो रहा है। इसी कड़ी में इंडियन ऑयल के निदेशक (पाइपलाइन) डी.एस. नानावरे पहली बार दो दिवसीय यात्रा पर दौरा पर बरौनी रिफाइनरी पहुंचे, उनके साथ ईआरपीएल के ईडी एस.के. कनौजिया एवं सीजीडी के ईडी एस.के. झा भी थे।

बरौनी रिफाइनरी पहुंचने पर पाइपलाइन निदेशक डी.एस. नानावारे का रिफाइनरी प्रमुख और ईडी आर.के. झा ने सत्य प्रकाश सीजीएम (टी), ए.के. तिवारी सीजीएम (प्रोजेक्ट), टी.के. बिसई सीजीएम (एचआर), जी.आर.के. मूर्ति सीजीएम (प्रोजेक्ट), डॉ. प्रशांत राउत सीजीएम (एम एंड सी), एस.जी. वेंकटेश सीजीएम (टीएस एंड एचएसई) एवं एन.के. पांडा सीजीएम (बीकेपीएल) आदि की उपस्थिति में स्वागत किया। इस अवसर पर बरौनी रिफाइनरी के प्रदर्शन और चल रही परियोजनाओं पर तकनीकी प्रस्तुति भी डीजीएम (टीएस) देवराज अरसा द्वारा दी गई।

बरौनी रिफाइनरी और बरौनी-कानपुर पाइपलाइन के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए निदेशक (पाइपलाइन) ने कहा कि बरौनी रिफाइनरी, बरौनी-कानपुर और मार्केटिंग टर्मिनल के बीच बेहतरीन समन्वय है। सहज समन्वय देश के इस क्षेत्र और हमारे पड़ोसी देश नेपाल की ईंधन मांग को पूरा करने के कॉर्पोरेशन के लक्ष्यों को गति प्रदान कर रहा है। बरौनी रिफाइनरी के मौजूदा छह एमएमटीपीए से नौ एमएमटीपीए क्षमता के विस्तार के साथ हम आवश्यक ग्राहकों को उत्पादों के सुचारू परिवहन को सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। निकट भविष्य में बढ़ी हुई मांग को समायोजित करने के लिए पाइपलाइन डिवीजन मौजूदा पाइपलाइनों में उपयुक्त क्षमता वृद्धि कर रहा है।

उन्होंने बीआर कैंटीन का भी दौरा किया और औद्योगिक स्वच्छता और कैंटीन के समग्र वातावरण की सराहना की। कॉर्पोरेट संचार प्रबंधक अंकिता श्रीवास्तव ने बताया कि निदेशक (पाइपलाइन) डी.एस. नानावरे ने सभी अधिकारियों के साथ बरौनी रिफाइनरी गेस्ट हाउस से साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाई एवं इसमें भाग भी लिया। इसके बाद बरौनी रिफाइनरी इको-पार्क का दौरा किया तथा पार्क के रखरखाव, औषधीय एवं हर्बल पेड़ों के व्यापक गुलदस्ते, सर्वो गांव, रिफाइनरी के न्ट्रैप से बने सजावटी ढांचे और हरे-भरे आवासों में पक्षियों की विविधता की सराहना की है।

शुरुआती कमजोरी के बाद फ्लैट बंद हुए शेयर बाजार, सेंसेक्स ने की ४३७ अंक की रिकवरी

नई दिल्ली: दिन के पहले कारोबारी सत्र में बिकवाली के दबाव का सामना करने के बाद भारतीय शेयर बाजार ने आज दूसरे कारोबारी सत्र में निचले स्तर से शानदार रिकवरी की। दिन के दूसरे सत्र में हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांकों ने रिकवरी करके लगभग फ्लैट लेवल पर आज के कारोबार का अंत किया। दिन भर कर कारोबार के बाद सेंसेक्स ने ४०० अंकों से अधिक की रिकवरी की। निफ्टी भी १३० अंक से अधिक की रिकवरी करने में सफल रहा। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स ८६.६१ अंक और निफ्टी ४.६० अंक की मामूली गिरावट के साथ बंद हुए।

आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स २३३.२४ अंक की कमजोरी के साथ ५४,२४८.६० अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स पहले २० मिनट के कारोबार में ही ३९१.३१ अंक की गिरावट के साथ आज वेः सबसे निचले स्तर ५४,०९०.५३ तक पहुंच गया। हालांकि इस गिरावट के बाद बाजार में मामूली खरीदारी भी हुई, इसके बावजूद शेयर बाजार लगातार दबाव में ही कारोबार करता रहा।

दिन का पहला कारोबारी सत्र समाप्त होने के बाद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने मजबूती के साथ बाजार में खरीदारी शुरू कर दी। इस खरीदारी के सपोर्ट से अगले २ घंटे के कारोबार में ही सेंसेक्स आज के निचले स्तर से ४३७.३७ अंक रिकवर करके हरे निशान में ५४,५२७.९० अंक तक पहुंच गया। हालांकि अंत में इंट्रा-डे सेटेलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स एक बार फिर लाल निशान में लुढ़क गया और ८६.६१ अंक यानी ०.१६ प्रतिशत की कमजोरी के साथ ५४,३९५.२३ अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी आज ८४.४५ अंक की गिरावट के साथ १६,१३६.१५ अंक के स्तर पर खुला। बाजार में बने बिकवाली के दबाव के कारण निफ्टी भी शुरुआती २० मिनट के कारोबार में ही लुढ़क कर १६,११५.५० अंक के स्तर पर आ गया। दोपहर १२:३० बजे के बाद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी, जिसकी वजह से अगले २ घंटे के कारोबार में निफ्टी लाल निशान को पार कर मामूली तेजी के साथ हरे निशान में १६,२४८.५५ अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि आखिरी आधे घंटे में दिन के सौदों के निपटारे के कारण निफ्टी में भी मामूली गिरावट आई और ये सूचकांक ४.६० अंक यानी ०.०३ प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ १६,२१६ अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान सबसे अधिक २,१७१.७५ करोड़ रुपये का कारोबार टीसीएस के शेयरों में हुआ, जबकि १,५४९.०२ करोड़ रुपये की खरीद-बिक्री के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर दूसरे स्थान पर और १,३७०.८९ करोड़ रुपये के सौदे के साथ डेली टर्नओवर के मामले में टाटा स्टील के शेयर तीसरे स्थान पर रहे।

पूरे दिन में हुई खरीद बिक्री के बाद दिग्गज शेयरों में से आयशर मोटर्स ३.९३ प्रतिशत, ओएनजीसी ३.२९ प्रतिशत, टाटा स्टील ३.०३ प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा २.७७ प्रतिशत और डॉ रेड्डीज लैब २.१५ प्रतिशत की तेजी के साथ आज के टॉप ५ गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर भारती एयरटेल ४.९८ प्रतिशत, टीसीएस ४.६४ प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी ४.०७ प्रतिशत, बीपीसीएल २.८९ प्रतिशत और इंफोसिस २.७३ प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप ५ लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

खानों की सफल नीलामी करने वाले राज्यों को प्रोत्साहन देगी सरकार: जोशी

नई दिल्ली: खानों की सफल नीलामी करने और संभावित खनिज ब्लॉकों की पहचान करने वाले राज्यों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसमें सफल रहे राज्यों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को आजादी का अमृत महोत्सव प्रतीक सप्ताह समारोह के उद्घाटन के दौरान यह बात कही।

प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सफल राज्यों को राष्ट्रीय खान तथा खनिज सम्मेलन के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रोत्साहन उन राज्यों को दिया जाएगा, जिन्होंने संभावित खनिज ब्लॉकों को चिह्नित किया है। जोशी ने कहा यह कदम अन्य राज्यों को भी खनन क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। नई दिल्ली में १२ जुलाई को राष्ट्रीय खान तथा खनिज सम्मेलन में गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे।

इस अवसर पर खान मंत्रालय में सचिव आलोक टंडन ने कहा कि देशभर में सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम और मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय ११ से लेकर १७ जुलाई तक आजादी का अमृत महोत्सव प्रतीक सप्ताह समारोह मनाएंगे। उन्होंने बताया कि

सम्मेलन के दौरान खनन क्षेत्र मे सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों के बीच राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार का वितरण होगा, जिसमें राष्ट्रीय खनिज विकास पुरस्कार, पांच सितारा खदानों के लिए पुरस्कार और राष्ट्रीय भू-विज्ञान पुरस्कार दिए जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर: सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी, पुलवामा में दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए जिनमें से एक जैश-ए-मोहम्मद का शीर्ष आतंकवादी कैसर कोका था। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ अवंतीपोरा इलाके के वांडकपोरा में सुरक्षा बलों द्वारा घेराबंदी करने और तलाशी अभियान चलाने के बाद शुरू हुई। पुलिस के एक प्रवक्ता ने ट्वीट किया, ''आतंकवादी कैसर कोका को मार गिराया गया। दूसरे आतंकवादी की पहचान की जा रही है। अमेरिका निर्मित एक राइफल (एम-4 कार्बाइन), एक पिस्तौल और सहित अन्य सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।'' अधिकारी ने कहा कि कोका आतंकवाद से जुड़ी कई घटनाओं में वांछित था।

दुष्कर्म मामले में पूर्व विधायक सिमरजीत बैंस ने किया आत्मसमर्पण, 44 वर्षीय महिला के साथ किया था बलात्कार

लुधियाना। लोक इंसाफ पार्टी के प्रमुख और पूर्व विधायक सिमरजीत सिंह बैंस ने दुष्कर्म के एक मामले में यहां की एक अदालत के समक्ष सोमवार को आत्मसमर्पण कर दिया। बैंस (52) ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरसिमरन जीत सिंह की अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण किया। गौरतलब है कि 44 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार के मामले में बैंस मुख्य आरोपी हैं। एक स्थानीय अदालत के निर्देश पर बैंस और उनके दो भाइयों सहित पांच लोगों के खिलाफ 16 जुलाई 2021 को मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने बैंस और अन्य आरोपियों को आदतन अपराधी घोषित किया था क्योंकि वे कार्रवाई में शामिल नहीं हो रहे थे। महिला ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसने संपत्ति से जुड़े एक मामले में मदद के लिए पूर्व विधायक से संपर्क किया था, जिसके बाद पूर्व विधायक ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। इससे पहले पुलिस ने इसी मामले में उनके भाई और निजी सहायक को गिरफ्तार किया था।

बारिश से दरके पहाड़-घरों में घुसा मलबा भूस्खलन के बाद सड़कें बंद

हरिद्वार। उत्तराखंड में भूस्खलन, घरों में मलबा घुसने और नदी, नालों के उफान पर आने का सिलसिला भी जारी रहा। देहरादून में कार के बह जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। भूस्खलन के कारण यमुनोत्री हाइवे समेत 191 सड़कें बंद हो गई। बदरीनाथ केवल छोटे वाहनों के लिए खुल पाया। चमोली जिले के चोटिंग गांव में मलबा घुस जाने से 11 परिवारों को स्कूल में शिफ्ट किया गया है। मौसम विभाग ने 12 जुलाई तक बारिश का सिलसिला जारी रहने की अनुमान जताया है। बारिश से भूस्खलन के कारण यमुनोत्री हाइवे समेत 191 सड़कों पर यातायात बंद हो गया। हाइवे बंद होने से कई यमुनोत्री यात्री राड़ी टॉप के पास फंस गए हैं। उधर, बदरीनाथ हाइवे देर शाम छोटे वाहनों के लिए खोल दिया गया है। द्वारीपैरा और ग्लेशियर प्वाइंट पर जारी भूस्खलन के कारण फूलों की घाटी की यात्रा दूसरे दिन भी बंद रही। फॉरेस्ट आफिसर अनूप कुमार ने बताया कि, डेढ़ सौ पर्यटकों को घांघरिया में रोका गया है। उधर, हेमकुंड साहिब पैदल मार्ग अस्थाई तौर पर खोल दिया गया है। गुरुद्वारा गोविन्दघाट के प्रबंधक सेवा सिंह ने बताया कि रविवार को 1100 सिख यात्री हेमकुंड के लिए रवाना हुए हैं। देहरादून के शिमला बाईपास मार्ग पर एक कार के रपटे की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। कार सवार पांवटा साहिब से देहरादून से लौट रहे थे। पहाड़ पर जारी बारिश के कारण हरिद्वार में गंगा का जलस्तर रविवार सुबह चेतावनी निशान करीब पहुंच गया। हालांकि, दोपहर बाद गंगा का जलस्तर चेतावनी के निशान से नीचे आ गया।

गिरिराज सिंह ने फिर की कड़े जनसंख्या कानून की वकालत, बोले- हमारी आबादी सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रही है

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर से कड़े जनसंख्या नियंत्रण कानून की वकालत कर दी हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हमारे देश की हमारे 'सुरसा' के मुंह की तरफ बढ़ रही है। इस पर नियंत्रण करने के लिए कड़े कानून की आवश्यकता है। दरअसल, गिरिराज सिंह ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर एक वीडियो जारी किया है और उसे ट्विटर पर साझा किया है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि पिछले तीन दशकों में भारत आर्थिक प्रगति की रफ्तार में चीन से पिछड़ गया, लेकिन जनसंख्या वृद्धि में अपने पड़ोसी देश से आगे निकल गया। बिहार में बेगूसराय लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंह ने कहा कि हमारे पास सीमित संसाधन हैं। हमारी आबादी सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रही है। दस-दस बच्चे पैदा करने वाली विकृत मानसिकता पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए एक 'कड़ा कानून' बने, जो ''पूरे देश में और सभी धर्म के लोगों पर लागू हो। भाजपा नेता ने कहा कि इस तरह के कानून की मांग संसद से सड़क तक उठानी चाहिए।

आबादी के मामले में 2023 में चीन को पछाड़ सकता है भारत

नई दिल्ली । दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी के मामले में भारत अगले साल चीन को पीछे छोड़ सकता है। यूनाइटेड नेशन्स की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि नवंबर, 2022 के मध्य तक दुनिया की आबादी 8 बिलियन पहुंच जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में भारत की आबादी 1.412 अरब है, जबकि चीन की आबादी 1.426 अरब है। अनुमान है कि भारत में 2050 में 1.668 बिलियन की आबादी होगी, जो सदी के मध्य तक चीन के 1.317 बिलियन लोगों से बहुत ज्यादा है। दुनिया का आबादी 1950 के बाद से सबसे न्यूनतम गति से बढ़ रही है, जिसमें 2020 में एक प्रतिशत की गिरावट आई थी। यूएन के हालिया अनुमानों में कहा गया है कि 2030 तक दुनिया की जनसंख्या 8.5 बिलियन और 2050 तक 9.7 बिलियन तक पहुंच जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2080 तक दुनिया भर में 10.4 बिलियन के आसपास लोग होंगे। 2022 में दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया हैं। यहां 2.3 बिलियन लोग रहते हैं जो वैश्विक आबादी का 29 प्रतिशत है। वहीं, मध्य और दक्षिणी एशिया की आबादी 2.1 बिलियन है, जो कुल विश्व जनसंख्या का 26 प्रतिशत है। 2022 में 1.4 बिलियन आबादी के साथ चीन और भारत इन क्षेत्रों में सबसे बड़ी जनसंख्या के लिए जिम्मेदार हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, फइस साल का विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) मील का पत्थर है, जब हमें पृथ्वी के आठ अरबवें निवासी के जन्म की उम्मीद है। यह हमारी विविधता को सेलिब्रेट करने का मौका है। बीते सालों में लोगों की औसत उम्र बढ़ी है और बाल मृत्यु दर में कमी आई है। साथ ही यह याद रखने की जरूरत है कि इस ग्रह की देखरेख हम सबकी जिम्मेदारी है।

सुरकंडा देवी में ट्रॉली बीच हवा में फंसी, बीच हवा में लटके रह गए विधायक समेत 40 श्रद्धालु

देहरादून। मसूरी के पास सुरकंडा देवी मंदिर को जोड़ने वाला रोपवे के तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते में अटक जाने से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक किशोर उपाध्याय समेत 40 से अधिक श्रद्धालु रविवार को करीब एक घंटे तक हवा में फंसे रहे। उपाध्याय ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब वे रोपवे से मंदिर से लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि करीब एक घंटे तक हवा में लटके रहने के बाद रोपवे ट्रॉली से नीचे उतरने पर श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली। उपाध्याय ने कहा कि प्रसिद्ध मंदिर के लिए रोपवे संचालन फिर से शुरू कर दिया गया है, लेकिन सुझाव दिया कि इसकी ठीक से जांच की जानी चाहिए ताकि श्रद्धालुओं की जान को खतरा नहीं हो। टिहरी जिले में स्थित मंदिर के लिए रोपवे सेवा इस साल मई में शुरू हुई थी।

तेजस्विनी योजना का एक साल 52 महिला पुलिसकर्मियों ने 100 अपराधियों को पकड़ा

नई दिल्ली । उत्तर पश्चिमी जिले की महिला केंद्रित सुरक्षा एवं अधिकारिता पहल तेजस्विनी योजना को रविवार को एक वर्ष पूरा हो गया। डीसीपी (उत्तर-पश्चिम) उषा रंगानी ने कहा कि इस योजना के तहत, पिछले एक साल में 52 महिला बीट कर्मियों ने छेड़छाड़ करने वालों, लुटेरों, डकैतों, स्नैचरों और ऑटो-लिफ्टर्स सहित 100 लोगों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 10 जुलाई 2021 को तेजस्विनी योजना शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर अंकुश लगाना था। इसका उद्देश्य उत्तर पश्चिमी जिला क्षेत्राधिकार में रहने, काम करने या आने-जाने वाली महिलाओं में विश्वास पैदा करना था। 52 महिला बीट कर्मियों का चयन करके उन्हें अपराध प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया। अपने पुरुष समकक्षों के समान काम करते हुए ये 52 तेजस्विनी स्कूटर और बाइक पर सड़कों पर पेट्रोलिंग किया करती थीं।

एआई तकनीक पर किसी एक देश का नहीं होना चाहिए दबदबा

राजनाथ सिंह बोले- हमें मानवता की प्रगति और शांति के लिए इसका करना होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

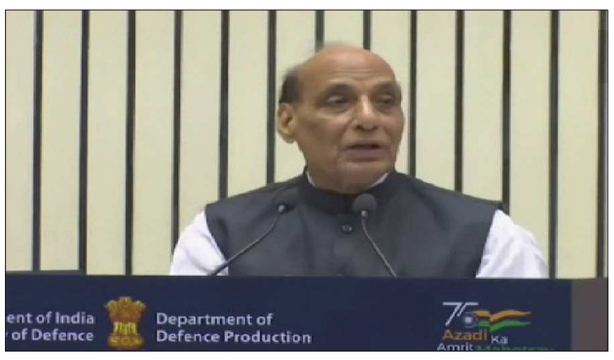

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, दिल्ली में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन डिफेंस' पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तंत्र पर ÷बेहद सावधानी से÷ काम करने की जरूरत है और उसे कानूनी, नैतिक, राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। 'हमें मानवता की प्रगति और शांति के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि कोई देश या देशों का समूह इस तकनीक पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर ले और बाकी देश इस तकनीक का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया पर राज करने की हमारी कभी मंशा नहीं रही। परन्तु कोई और देश आकर भारत पर राज करने की न सोचने लगे इसके लिए हमें अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की क्षमता को विकसित करना ही होगा। उन्होंने कहा कि एआई की नैतिकता और खतरों पर ठीक से विचार किया जाना चाहिए। 'हम कृत्रिम बुद्धि की प्रगति को रोक नहीं सकते हैं और हमें इसकी प्रगति को रोकने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। लेकिन हमें इससे सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब कोई नई तकनीक बहुत बड़ा बदलाव लाती है तो उसका संक्रमण काल भी उतना ही बड़ा और गंभीर होता है। सिंह ने कहा, 'चूंकि एआई एक ऐसी तकनीक है जो बड़े पैमाने पर बदलाव ला सकती है, हमें कानूनी, नैतिक, राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें एआई पर बेहद सावधानी से काम करने की जरूरत है ताकि आने वाले समय में यह (तकनीक) हमारे नियंत्रण से बाहर न हो जाए।

भगोड़े विजय माल्या को अवमानना मामले में 4 महीने की कैद

नई दिल्ली। भोगड़े शराबी कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ अवमानना के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनया है। माल्या को चार महीने की कैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही कोर्ट ने 2 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने माल्या के खिलाफ यह कार्रवाई साल 2017 के केस में की है। माल्या के बार-बार गैर हाजिर रहने से कोर्ट काफी नाराज था। शीर्ष न्यायालय ने यह भी कहा है कि अगर समय पर जुर्माना राशि जमा नहीं की गई, तो माल्या को दो और महीने की कैद भुगतनी होगी। जस्टिस उदय उमेश ललित, जस्टिस एस रविंद्र भट्ट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। आदेश का उल्लंघन करते हुए अपने बच्चों को 40 मिलियन डॉलर भेजने के बारे में कोर्ट से जानकारी छिपाने के चलते साल 2017 में शीर्ष न्यायालय ने माल्या को अवमानना का दोषी पाया था। इस दौरान कोर्ट ने माल्या को चार हफ्तों में ब्याज के साथ 40 मिलियन डॉलर चुकाने के आदेश दिए हैं। साथ ही अगर माल्या ऐसा करने में असफल रहे, तो उनकी संपत्तियों को अटैच किया जाएगा।

जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम आगे बढ़े, पर जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति न पैदा हो: योगी

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े, लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति भी न पैदा हो पाए। लखनऊ में विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर 'जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा' की शुरुआत करते हुए योगी ने कहा, 'जब हम परिवार नियोजन/जनसंख्या स्थिरीकरण की बात करते हैं तो हमें ध्यान में रखना होगा कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े, लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति भी न पैदा होने पाए।'

उन्होंने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि बीते पांच वर्षों से देशभर में जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। एक निश्चित पैमाने पर जनसंख्या समाज की उपलब्धि भी है, लेकिन यह उपलब्धि तभी है, जब समाज स्वस्थ व आरोग्यता की स्थिति को प्राप्त कर सके।' मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी ट्वीट के मुताबिक, योगी ने कहा कि अगर हमारे पास कुशल श्रम शक्ति है तो यह समाज के लिए एक उपलब्धि है, लेकिन जहां बीमारी, अव्यवस्था, पर्याप्त संसाधनों का अभाव हो, वहां जनसंख्या विस्फोट अपने आप में एक चुनौती भी होता है।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है और आशा बहनें, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत समिति सहित अन्य प्रतिनिधिगण व शिक्षकगण स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को और बेहतरीन तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने की सलाह भी दी। मुख्यमंत्री ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर समस्त प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र सहित कई अन्य हस्तियां मौजूद थीं।

भगवंत मान के बयान पर पंजाब में बवाल कांग्रेस और अकाली दल ने घेरा

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

हरियाणा के नए विधानसभा भवन को लेकर दो राज्यों में टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। केंद्र सरकार की ओर से हरियाणा को नया विधानसभा भवन बनाने के लिए चंडीगढ़ में जमीन देने के फैसले का पंजाब कांग्रेस ने विरोध किया है। पंजाब विधानसभा में कांग्रेस के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि चंडीगढ़ तो पंजाब का अटूट हिस्सा है। हरियाणा को केंद्र शासित प्रदेश की सीमा के बाहर ही अपनी विधानसभा बनानी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सीएम मान पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि मान ने पंजाब विधानसभा के लिए चंडीगढ़ में जमीन की मांग करके पंजाब का दावा कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि इससे चंडीगढ़ पर पंजाब का हक कमजोर हो जाएगा। बाजवा ने कहा कि ऐसा लगता है कि सीएम का ट्विटर अकाउंट दिल्ली से चल रहा है। उन लोगों के द्वारा संचालित हो रहा है, जिन्हें पंजाब के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्हें यह पता नहीं है कि चंडीगढ़ पर पंजाब का क्या दावा बनता है। इस बीच अकाली दल भी भड़का हुआ है। पार्टी नेता सुखबीर सिंह बादल ने अकाली दल की आपातकालीन मीटिंग बुलाई है। इसमें मुख्यमंत्री की ओर से पंजाब विधानसभा के लिए जमीन मांगने के मसले पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने भी मान पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके बयान के चलते चंडीगढ़ पर पंजाब का दावा कमजोर होता है। उन्होंने कहा कि सीएम ने पंजाब के हक को सरेंडर कर दिया है। मंगलवार को यह मीटिंग बुलाई गई है, जिसमें पंजाब के हितों और चंडीगढ़ पर उसके दावों को लेकर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीएम मान की ओर से पंजाब विधानसभा के लिए जमीन की मांग करना बेहद खतरनाक है।

कर्नाटक में भी कांग्रेस विधायक बदलेंगे पाला? विधायक एमबी पाटिल ने कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गोवा कांग्रेस में एक बार फिर फूट के आसार नजर आ रहे हैं। अटकलें हैं कि राज्य में कांग्रेस पार्टी एक बार फिर टूट सकती है। इसकी अगुवाई विधानसभा में कभी नेता विपक्ष की भूमिका में रहे माइकल लोबो कर रहे हैं। जिनके साथ पार्टी के 5 से 7 विधायक कांग्रेस छोड़ सकते है। कि गोवा में कांग्रेस के सभी विधायक भाजपा में शामिल होने वाले बीजेपी के दावे को लेकर कर्नाटक कांग्रेस विधायक एमबी पाटिल से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सीटी रवि का बयान अलोकतांत्रिक है। पाटिल ने कहा कि विधायकों को 40 करोड़ रुपये में खरीदना। इसने हमारे देश की व्यवस्था को खराब कर दिया है, हमें शर्म आती है कि हमारे देश में ऐसी चीजें होती हैं।उन्होंने कहा कि बिल्कुल भी नहीं। वास्तव में, भाजपा और जद (एस) के लोग कांग्रेस में शामिल होंगे। बता दें कि गोवा के बीजेपी प्रभारी सीटी रवि ने 28 मई को कहा था कि विपक्ष के पांच विधायक सत्ताधारी दल में शामिल होने के इच्छुक हैं। विपक्ष के वर्तमान नेता माइकल लोबो कथित तौर पर अन्य पांच विधायकों के साथ बीजेपी में शामिल होने के लिए चर्चा में थे। इससे पहले अक्टूबर 2019 में विपक्ष के नेता चंद्रकांत कावलेकर के साथ कांग्रेस के दस विधायक बीजेपी में चले गए थे। बता दें कि गोवा में कांग्रेस ने पार्टी उम्मीदवारों को ईश्वर के सामने शपथ दिलाई गई थी कि वे निर्वाचित होने के बाद पाला नहीं बदलेंगे। कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को बस से मंदिर, गिरिजाघर और दरगाह ले गई और उन्हें वहां दल बदल के खिलाफ शपथ दिलाई थी।

1993 मुंबई बम धमाकों के आरोपी अबू सलेम की 2030 तक नहीं हो सकती रिहाई: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

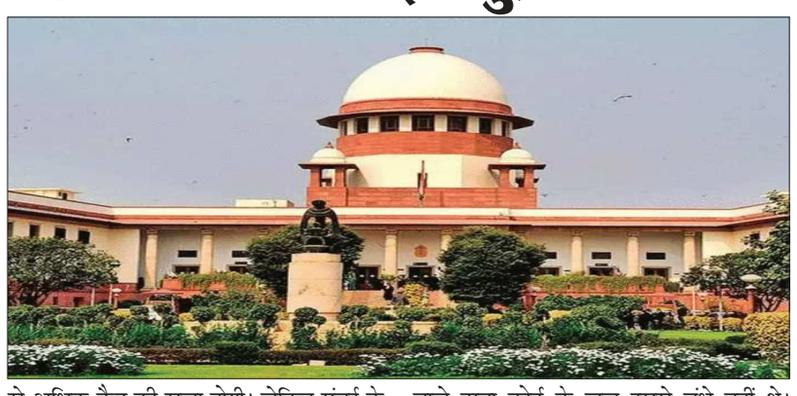

माफिया सरगना अबू सलेम को 2030 तक रिहा नहीं किया जा सकता है, यह सख्त आदेश देश की शीर्ष कोर्ट ने दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा उसकी 25 साल की हिरासत अवधि पूरी होने के बाद, केंद्र सरकार भारत और पुर्तगाल के बीच प्रत्यर्पण संधि के बारे में राष्ट्रपति को सलाह दे सकती है। साल 1993 के मुंबई बम धमाकों के गुनहगार अबू सलेम ने 2 मामलों में खुद को मिली उम्रकैद की सजा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उसने दावा किया था कि पुर्तगाल से हुए उसके प्रत्यर्पण में तय शर्तों के मुताबिक उसकी कैद 25 साल से अधिक नहीं हो सकती। इसलिए, उसे 2027 में रिहा किया जाए। इसका जवाब देते हुए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सलेम की रिहाई पर विचार करने का समय 2027 में नहीं, 2030 में आएगा। क्योंकि उसे 2005 में पुर्तगाल से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। तब सरकार जरूरी फैसला लेगी। अबू सलेम को 2005 में पुर्तगाल से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। उसने अपनी याचिका में सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि भारत सरकार ने 2002 में पुर्तगाल सरकार से यह वादा किया था कि उसे न तो फांसी की सजा दी जाएगी, न ही किसी केस में 25 साल से अधिक कैद की सजा होगी। लेकिन मुंबई के विशेष टाडा कोर्ट से उसे 1993 मुंबई बम ब्लास्ट समेत 2 मामलों में उम्रकैद की सजा सुनाई। गैंगस्टर ने शीर्ष अदालत से यह मांग की थी कि उसे रिहा करने के लिए 2002 की तारीख को आधार बनाया जाना चाहिए, क्योंकि तभी उसे पुर्तगाल में हिरासत में ले लिया गया था। इस हिसाब से 25 साल की समय सीमा 2027 में खत्म होती है। अबू सलेम की याचिका के जवाब में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला की तरफ से शीर्ष अदालत को बताया गया कि गैंगस्टर के प्रत्यर्पण के समय किया गया वादा 'एक सरकार का दूसरी सरकार से किया गया वादा' था। सलेम के मामले में फैसला सुनाने वाले टाडा कोर्ट के जज इससे बंधे नहीं थे। उन्होंने भारतीय कानून के हिसाब से फैसला सुनाया और 1993 के मुंबई बम धमाकों में उसे दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा दी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से यह भी कहा कि सलेम को 2005 में भारत लाया गया था। इसलिए, 2030 में उसकी रिहाई के मामले पर जरूरी निर्णय लिया जाएगा। गृह सचिव ने यह भी सुझाव दिया है कि सुप्रीम कोर्ट अबू सलेम की अपील को सुनते हुए सिर्फ दोनों केस के तथ्यों को देखे और पुर्तगाल सरकार के साथ उसके प्रत्यर्पण को लेकर हुए समझौते का पालन सरकार पर छोड़ दे।

अमरनाथ यात्रा सोमवार को फिर से हुई शुरू, 4026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। (एजेंसी)।

खराब मौसम के कारण करीब एक दिन निलंबित रहने के बाद अमरनाथ यात्रा सोमवार को फिर शुरू हो गई और 4,026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था दक्षिण कश्मीर में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए जम्मू से रवाना हुआ। खराब मौसम के कारण जम्मू से यात्रा स्थगित कर दी गई थी और रविवार को किसी भी जत्थे को घाटी में आधार शिविरों की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। अमरनाथ गुफा के पास आठ जुलाई को बादल फटने पर हुई भीषण बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

अधिकारियों ने बताया, ''केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कड़ी सुरक्षा के बीच 110 वाहनों में कुल 4,026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था यहां भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ।'' उन्होंने बताया कि इन श्रद्धालुओं में 3,192 पुरुष, 641 महिलाएं, 13 बच्चे, 174 साधु और छह साध्वी हैं। उन्होंने बताया कि बालटाल आधार शिविर के लिए जाने वाले 1,016 तीर्थयात्री 35 वाहनों में तड़के साढ़े तीन बजे सबसे पहले रवाना हुए। इसके बाद कश्मीर में पहलगाम शिविर के लिए 2,425 तीर्थयात्रियों को लेकर 75 वाहनों का दूसरा काफिला रवाना हुआ।

इस बीच, सेना ने पवित्र गुफा के बाहर एक अस्थायी सीढ़ी का निर्माण किया। गत शुक्रवार को बादल फटने से हुए भूस्खलन के कारण गुफा मंदिर की ओर जाने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था। सेना की इकाई 'चिनार कोर' ने ट्वीट किया, '' यात्रा के पहलगाम से आज शुरू होने के मद्देनजर पवित्र गुफा के बाहर यात्रियों के लिए रातभर में अस्थायी सीढ़ी बनाई गई।'' बाबा बर्फानी के दर्शन के लिये 43 दिन की वार्षिक यात्रा दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से 30 जून को शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक 1.13 लाख से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। अमरनाथ यात्रा 11 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर समाप्त होगी।

किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक्त साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती है कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते है। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए-

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिकिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुल जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुक्सान पहुंचाते हैं।

खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।

तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेंस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा-बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की बैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नेलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं है। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीवी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें।

स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें।

डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीवी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें।

बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाए। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रैशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रैशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11-15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रैशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मोकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें।

उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें।

बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।

हज के लिए 6500 किमी पैदल चले आदम, 11 महीने में पार किए 11 देश

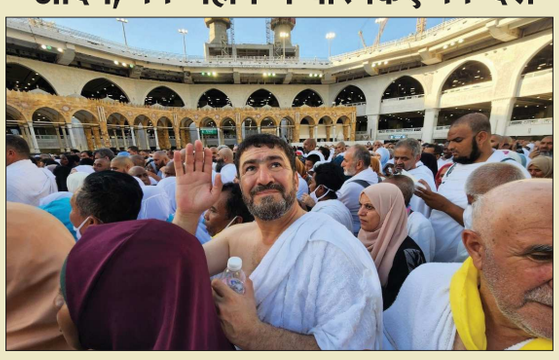

कोरोना महामारी की वजह से पिछले दो सालों से रुकी रही मुस्लिमी की पवित्र हज यात्रा इस बार हो रही है। इसके लिए इराकी-कुर्द मूल के एक ब्रिटिश व्यक्ति ने इंग्लैंड के वॉल्वरहैम्प्टन से 6,500 किमी पैदल चलकर इस साल हज करने मक्का पहुंचे। 52 वर्षीय मोहम्मद आदम ने नीदरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, हंगरी, सर्बिया, बुल्गारिया, तुर्की, लेबनान और जॉर्डन से होते हुए सऊदी अरब पहुंचने के लिए 10 महीने और 25 दिनों में लगभग 6,500 किलोमीटर की दूरी तय की। उन्होंने 1 अगस्त, 2021 को यूके में शुरुआत की और पिछले महीने सऊदी अरब पहुंचे। अल जज़ीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार आदम ने हर दिन औसतन 17.8 किमी की दूरी तय की और 300 किलोग्राम वजन वाली एक घर की गाड़ी बनाई थी। जिसमें उनकी जरूरत का सब सामान रखा था। इसके कारण उसका वजन 250 किलो हो गया था, वह इसे खींचते हुए ही चलते थे। अपने सफर के दौरान इसी गाड़ी में वे खाना बनाते, खाते और सोते भी थे। उन्होंने अपने लिए एक GoFundMe पेज भी बनाया था। उन्होंने लिखा, ‘मैं यह सब केवल प्रसिद्धि या पैसे के लिए नहीं कर रहा हूं, बल्कि पूरी तरह से दुनिया को बताने के लिए कि हम इंसान सभी समान हैं, हमारी जाति, रंग, धर्म की परवाह किए बिना और शांति और एकता के संदेश को फैलाने के लिए जो हमारा धर्म इस्लाम सिखाता है। रास्ते में लोगों ने जो प्यार बरसाया, उससे वे अभिभूत थे। उन्होंने टिकटॉक पर अपनी यात्रा का प्रसारण किया और उनके आधे मिलियन फॉलोअर्स हो गए। आदम जब मक्का पहुंचे तो उनका परिवार, दो बेटियां और रिश्तेदार उनका स्वागत करने पहले ही मक्का पहुंच गए थे। हालांकि नीदरलैंड पुलिस ने उन्हें रोक भी दिया था, लेकिन बाद में उन्हें सफर पर निकलने दिया।

पाकिस्तान में ईद पर अहमदी समुदाय के 3 सदस्यों को क्यों गिरफ्तार किया गया?

लाहौर। पाकिस्तानी पुलिस ने रविवार को अल्पसंख्यक अहमदी समुदाय के तीन सदस्यों को ईद-उल-अजहा के मौके पर पंजाब प्रांत में अपने घर पर पशुओं को मारने के आरोप में गिरफ्तार किया। वर्ष 1974 में एक पाकिस्तानी संवैधानिक संशोधन के अनुसार अहमदियों को गैर-मुस्लिम घोषित किया गया था और पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 298 सी समुदाय को किसी भी इस्लामी अनुष्ठान का पालन करने से रोकती है। पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने अहमदी समुदाय के पांच लोगों को रविवार को ईद मनाने के लिए फैसलाबाद में अपने घर पर एक बकरे और एक गाय की कुर्बानी देते हुए देखा। पुलिस ने कहा कि पांचों अहमदियों ने ईद-उल-अजहा मनाकर और इस मौके पर पशुओं की कुर्बानी देकर मुसलमानों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तसावर रमजान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए हमने प्राथमिकी में नामजद पांच संदिग्धों में से तीन को गिरफ्तार कर लिया है।'' उन्होंने कहा कि मुस्लिम त्योहारों को मनाने के लिए अहमदियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा, ''कानून के तहत अहमदी न तो खुद को मुसलमान के रूप में पेश कर सकते हैं और न ही उनके त्योहार मना सकते हैं।

जंगल की आग से जूझ रहा पुर्तगाल, 3,000 से अधिक दमकलकर्मी बचाव कार्य में जुटे

लिस्बन (पुर्तगाल)। पुर्तगाल में रविवार को 3,000 से अधिक दमकलकर्मी और 60 से अधिक विमान जंगल की आग को बुझाने के काम में जुटे रहे। वहीं, अधिकारियों का कहना है कि इस घटना में 29 लोग घायल हो गए हैं। पुर्तगाल के सरकारी टेलीविजन 'आरटीपी' और अन्य स्थानीय मीडिया की खबर के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि आग से मामूली रूप से झुलसे 12 दमकलकर्मियों और 17 नागरिकों को इलाज के लिए चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। रविवार दोपहर तक पुर्तगाल की नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि 3,000 से अधिक दमकलकर्मी आग का मुकाबला कर रहे हैं। यूरोपीय संघ ने रविवार को अपने अग्निशमन हवाई बेड़े सहायता कार्यक्रम को सक्रिय किया जो सदस्य देशों को पुर्तगाल की मदद के लिए संसाधनों को साझा करने की अनुमति देता है। यूरोपीय संघ के संकट आयुक्त, जेनेज लेनार्सिक के अनुसार, स्पेन ने भी तुरंत मदद की पेशकश की। स्पेन ने हाल में जंगल की आग का भी सामना किया है। पुर्तगाल की सरकार ने कहा कि उसने जमीन पर तैनात अपने कर्मियों की सहायता के लिए 60 विमान तैनात किए हैं।

हिंद महासागर पर निगाह के साथ चीन, पाकिस्तान ने समुद्री खतरों से निपटने के लिए शुरू किया अभ्यास

बीजिंग7 हिंद महासागर में नौसैन्य सहयोग बढ़ाने के साथ सदाबहार दोस्त चीन और पाकिस्तान ने समुद्री सुरक्षा खतरों से संयुक्त रूप से निपटने के लिए अपने नए उच्च तकनीक वाले नौसैनिक जहाजों और लड़ाकू विमानों को तैनात करके रविवार को शंघाई तट पर 'सी गार्जियन-2' अभ्यास शुरू किया। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन लियू वेन्शेंग ने एक बयान में कहा कि पीएलए नौसेना और पाकिस्तान नौसेना के कर्मी, जुलाई के मध्य में शंघाई से समुद्री और हवाई क्षेत्रों में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास करेंगे। दोनों नौसेनाओं ने रविवार को 'सी गार्जियन' अभ्यास के दूसरे संस्करण के लिए एक उद्घाटन समारोह आयोजित किया। लियू ने कहा कि अभ्यास ''वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार यह सामान्य व्यवस्था है और इसका उद्देश्य किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं है।'' सरकार के नियंत्रण वाले अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' के मुताबिक पीएलए की पूर्वी थिएटर कमान नौसेना ने युद्धपोत जियांगटन, शुओझोउ, आपूर्ति जहाज कियानदाओहू, एक पनडुब्बी, एक चेतावनी विमान, दो लड़ाकू विमान और एक हेलीकॉप्टर को अभ्यास के लिए भेजा, जबकि पाकिस्तान नौसेना का पोत तैमूर अभ्यास में शामिल हुआ। लियू ने कहा, ''समुद्री सुरक्षा खतरों से संयुक्त रूप से निपटने'' की थीम वाले इस अभ्यास में समुद्री लक्ष्यों के खिलाफ संयुक्त हमले, संयुक्त सामरिक युद्धाभ्यास, संयुक्त पनडुब्बी रोधी युद्ध और क्षतिग्रस्त जहाजों के लिए संयुक्त सहयोग सहित प्रशिक्षण अभ्यास शामिल होंगे। लियू ने कहा कि अभ्यास का लक्ष्य रक्षा सहयोग बढ़ाना, पेशेवर और तकनीकी आदान-प्रदान करना, दोनों देशों और दोनों नौसेनाओं के बीच पारंपरिक दोस्ती को गहरा करना तथा चीन और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देना है। चीनी सैन्य विशेषज्ञ वेई डोंगक्सू ने 'ग्लोबल टाइम्स' से कहा कि चीन और पाकिस्तान को हिंद महासागर जैसे क्षेत्रों में समुद्री डकैती और समुद्री आतंकियों सहित गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ता है, इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि दोनों देश इन दिशा में सहयोग बढ़ाएं।

इंडोनेशिया में जानवरों में फैले संक्रमण के बीच लोगों ने मनाया ईद-उल-अजहा का त्योहार

जकार्ता (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया में जानवरों के बीच फैले घातक संक्रमण ने ईद-उल-अजहा के दिन कुर्बानी देने की सदियों पुरानी परंपा में व्यवधान डाला है और रविवार को बड़ी संख्या में लोग कुर्बानी दिए बिना ही त्योहार मनाते नजर आए। ईद-उल-अजहा को कुर्बानी के पर्व के रूप में जाना जाता है। इंडोनेशिया, भारत और पाकिस्तान समेत अधिकतर एशियाई देशों में रविवार को ईद-उल-अजहा का त्योहार मनाया जा रहा है। जबकि अफगानिस्तान, लीबिया, मिस्र, केन्या और यमन जैसे देशों सहित दुनिया के अन्य हिस्सों में मुसलमानों ने शनिवार को ईद-उल-अजहा का पर्व मनाया। दुनिया में मुसलमानों की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश इंडोनेशिया में इस बार जानवरों के बीच फैले खुरपका (एफएमडी) नामक घातक संक्रमण के कारण अधिकतर लोग कुर्बानी की परंपरा का पालन नहीं कर पा रहे हैं। देश में बकरी, गाय और भेड़ों की बिक्री का कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस संक्रमण पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार की ओर से भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

टोक्यो में जापान के दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो एबे की तस्वीर के सामने झुककर उन्हें नमन करते हुए शोकाग्रस्त लोग।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नेता लियु जियानचाओ नेपाल पहुंचे, प्रधानमंत्री देउबा से मुलाकात की

काठमांडू। चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता लियु जियानचाओ ने रविवार को नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से मुलाकात की और दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय संपर्क विभाग के प्रमुख लियु तीन दिवसीय यात्रा पर एक प्रतिनिधिमंडल के साथ रविवार को यहां पहुंचे।उन्होंने नेपाल के विदेश मंत्रालय में विदेश मंत्री डॉ. नारायण खडका से भी मुलाकात की। बयान में कहा गया, ''लियु जियानचाओ ने प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से रविवार को शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान नेपाल और चीन के आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा हुई।'' विदेश मंत्रालय ने बताया कि लियु नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी से भी शिष्टाचार भेंट करेंगे और अन्य राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं के साथ भी वार्ता करेंगे।

भारत मदद के रूप में श्रीलंका को 3.8 अरब डॉलर देने के प्रति प्रतिबद्ध : जयशंकर

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि भारत ने आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की मदद के लिए 3.8 अरब अमेरिकी डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'पड़ोस पहले' नीति के तहत सरकार देश के पड़ोसियों की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करने और उनकी मदद करने के लिए विशेष प्रयास करती है। मंत्री ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ''हमने श्रीलंका को 'लाइन ऑफ क्रेडिट' दिया है, जिसके कारण पिछले कई महीनों से भारत से आवश्यक वस्तुएं उनके पास जा रही हैं। हमने उन्हें ईंधन की खरीद के लिए भी 'लाइन ऑफ क्रेडिट' दिया है। फिलहाल, हमारा ध्यान संकट से उबरने में उनकी मदद करने पर है।'' उन्होंने कहा, ''इस साल केवल हमने उनकी मदद के लिए उन्हें लगभग 3.8 अरब डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई है। हम उनके सबसे बड़े समर्थक रहे हैं। यह एक कारण है कि जिसकी मदद से वे स्थिति को और खराब होने से रोकने में सक्षम रहे हैं।'' 'लाइन ऑफ क्रेडिट' (एलओसी) एक पूर्व निर्धारित उधारी सीमा है और उधारकर्ता अपनी आवश्यकतानुसार तब तक धन ले सकता है, जब तक कि वह उधार की पहले से तय अधिकतम सीमा तक न पहुंच जाए। जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार हमेशा से श्रीलंका का समर्थन करती रही है और वह आर्थिक संकट का सामना कर रहे अपने पड़ोसी देश की हरसंभव मदद करने की कोशिश कर रही है। जयशंकर ने श्रीलंका की मौजूदा स्थिति के परिणामस्वरूप शरणार्थी संकट की आशंका से भी इनकार किया। रूस से तेल खरीदने पर उन्होंने कहा, ''मैं सबसे सस्ता तेल खरीदना चाहता हूं। यह खरीद रूस से हो भी सकती है और नहीं भी। मेरी चिंता का विषय ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण यहां के लोगों की समस्या का समाधान करना है।'' उन्होंने कहा कि चूंकि केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर करों में कटौती की है, इसलिए राज्यों को भी इसी तरह के प्रयास करने चाहिए ताकि लोग इसका लाभ उठा सकें। इससे पहले, केरल के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे विदेश मंत्री ने तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे के बाहर संवाददाताओं से कहा, ''हम श्रीलंका का हमेशा से समर्थन करते रहे हैं। हम मदद करने की कोशिश कर रहे हैं और हमने हमेशा ही संकट के समय उनकी बहुत मदद की है।'' श्रीलंका में मौजूदा आर्थिक संकट के सवाल पर जयशंकर ने कहा, ''वे अभी अपनी समस्याओं को कम करने के लिए कुछ कदम उठा रहे हैं, इसलिए हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि वे क्या करते हैं।'' यह पूछे जाने पर कि क्या कोई शरणार्थी संकट है, विदेश मंत्री ने कहा, ''फिलहाल अभी कोई शरणार्थी संकट नहीं है।'' जयशंकर से संवाददाताओं ने उनके दौरे का कारण भी पूछा, जिस पर उन्होंने जवाब दिया कि इस दौरे के कई कारण हैं। उन्होंने कहा कि वह यहां अपने पार्टी सहयोगियों के साथ समय बिताना चाहते हैं और समझना चाहते हैं कि वे कैसे काम कर रहे हैं तथा केरल में क्या हो रहा है। केरल में भाजपा की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा कि पार्टी की स्थिति पूरे देश में ही बेहतर है। उन्होंने कहा, ''इसमें कहीं भी कोई अपवाद नहीं है। लेकिन हम पार्टी के लिए संभावनाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम करते रहेंगे।

जापान के फुमियो किशिदा को मिला जनादेश, अमेरिका के विदेश मंत्री से की मुलाकात

तोयो। (एजेंसी)।

ससाहांत के दौरान हुए चुनावों में मिले नए जनादेश से उत्साहित जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने सोमवार को अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की, जिन्होंने प्रभावशाली दिवंगत नेता शिंजो आबे की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया और एक मजबूत द्विपक्षीय गठबंधन का आश्वासन दिया। किशिदा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और उसकी सहयोगी कोमैतो को 248 सदस्यीय सदन में 146 सीटों पर जीत हासिल हुई जो बहुमत के आंकड़े से काफी अधिक हैं।

इस जीत से स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा वर्ष 2025 तक पद पर बने रहेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा दीर्घकालिक नीतियों पर काम जारी रखेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन आबे को गोली लगने के समय 20 विदेश मंत्रियों के समूह की बैठक के लिए इंडोनेशिया में थे। उन्होंने किशिदा को राष्ट्रपति जो बाइडन का एक पत्र आबे के परिवार के लिये सौंपा। ब्लिंकन ने किशिदा से कहा 'हम बस उन्हें यह बताना चाहते हैं कि हम व्यक्तिगत स्तर पर भी इस नुकसान की गहराई को महसूस करते हैं।' उन्होंने कहा 'दरअसल मैं यहां इसलिए हूं क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान सहयोगी से कहीं अधिक हैं-हम दोस्त हैं।' ब्लिंकन ने कहा 'आबे ने अमेरिका और जापान के बीच संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए बहुत अधिक काम किया।

दक्षिण पूर्व एशिया में चीन के कदमों पर अमेरिका की नजर

बैंकॉक (एजेंसी)।

दक्षिण पूर्व एशिया में दबदबा बढ़ाने के चीन के प्रयासों के बीच क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाने के बाइडन प्रशासन के प्रयासों के तहत अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन थाईलैंड के दौरे पर हैं। ब्लिंकन रविवार को बैंकॉक में थाईलैंड के शीर्ष अधिकारियों और पड़ोसी म्यांमा के लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। उन्होंने थाई विदेश मंत्री डोन प्रमुदविनई के साथ अमेरिका-थाईलैंड के बीच 'रणनीतिक सहयोग एवं साझेदारी' का विस्तार करने के लिए एक समझौते पर दस्तखत भी किए। ब्लिंकन इंडोनेशिया के बाली में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद थाईलैंड पहुंचे हैं, जहां उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत में बीजिंग की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और हठ को लेकर चिंता जताई थी। अपने पूर्ववर्तियों की तरह बाइडन प्रशासन ने भी चीन के तीव्र विकास पर करीबी नजर रखी है और बीजिंग पर अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने का दबाव बनाया है, जिसमें उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली है। ब्लिंकन ने शनिवार को कहा था कि यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस के लिए चीन का समर्थन नियम-आधारित व्यवस्था के लिए खतरा है तथा यह वाशिंगटन व बीजिंग के पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और अधिक जटिल बनाता है।

क्या ऑस्ट्रेलिया की नयी जलवायु नीति प्रशांत देशों के साथ संबंधों को दुरुस्त करने के लिए काफी होगी?

कैनबरा (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बनीज को उम्मीद है कि उनकी सरकार की अधिक महत्वाकांक्षी जलवायु नीति अगले सप्ताह द्वीप के नेताओं के साथ बैठक में प्रशांत संबंधों को दुरुस्त करने में मददगार साबित होगी। फिजी की मेजबानी में हो रहा इस साल का 'पैसिफिक आइलैंड्स फोरम' 2019 में तुवालु में संपन्न 'पैसिफिक आइलैंड्स फोरम' के बाद पहला ऐसा 'पैसिफिक आइलैंड्स फोरम' होगा, जिसमें नेता आमने-सामने बैठकर चर्चा करेंगे। पिछले सम्मेलन में अल्बनीज के पूर्ववर्ती स्कॉट मॉरिसन ने प्रशांत क्षेत्रीय जलवायु घोषणा को कमतर करने की कोशिश की थी। उस तनावपूर्ण शिखर सम्मेलन के बाद फिजी के प्रधानमंत्री फ्रैंक बैनीमारामा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा था कि चीन के साथ साझेदारी करना मॉरिसन के साथ काम करने से कहीं बेहतर है। तब से चीन और अमेरिका के बीच भू-रणनीतिक प्रतिस्पर्धा भी तेज हो गई है। साल 2022 के 'पैसिफिक आइलैंड्स फोरम' में भी इस प्रतिस्पर्धा का साया रहने के आसार हैं। चीन प्रशांत क्षेत्र के द्वीप देशों के साथ नए सुरक्षा समझौते करने की कोशिशों में जुटा है, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगी भी इन देशों के साथ सहयोग बढ़ा रहे हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया जहां चीन को लेकर चिंतित है, वहीं ज्यादातर प्रशांत देश अपनी दहलीज पर खड़े जलवायु परिवर्तन संकट को लेकर अधिक फिक्रमंद हैं। प्रमुख प्रशांत नेताओं के एक समूह द्वारा समर्थित जलवायु परिषद की एक नयी रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिक महत्वाकांक्षी जलवायु कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध होना प्रशांत देशों का पसंदीदा सुरक्षा भागीदार बनने की ऑस्ट्रेलिया की सफल दावेदारी की कुंजी है। एजेंडे में सबसे ऊपर होगी सुरक्षा -सुरक्षा अचानक इतनी अहम क्यों हो गई है? वो इसलिए क्योंकि प्रशांत क्षेत्र पिछले कुछ दशकों में पहली बार भू-रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बना है। यही नहीं, चीन और ताकतवर हो गया है। वह समुद्र में कार्रवाई के लिए नौसेना में अधिक निवेश कर रहा है और प्रशांत देशों के साथ नए सुरक्षा समझौते करने की कोशिशों में जुटा है। ऑस्ट्रेलिया के सुरक्षा अधिकारी खासतौर पर इस बात को लेकर चिंतित हैं कि बीजिंग प्रशांत क्षेत्र में चीनी नौसैनिक अड्डे को सुरक्षित करने के लिए बुनियादी ढांचा ऋण का सहारा ले सकता है। अप्रैल में सोलोमन द्वीप ने चीन के साथ एक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और अगर इसका प्रारूप इंटरनेट पर लीक हुए मसौदे जैसा है तो इसमें ऐसे प्रावधान शामिल किए गए हैं, जो चीन की सैन्य उपस्थिति और जहाजों की एक बार फिर तैनाती की अनुमति देते हैं। इस समझौते ने लंबे समय से पश्चिम के साथ जुड़े एक क्षेत्र के समीकरणों को बदल दिया है, प्रशांत क्षेत्र के विघटन और परमाणु परीक्षण के प्रभाव को लेकर चिंताओं के बावजूद।

श्रीलंका आर्थिक संकटः राष्ट्रपति भवन के चप्पे-चप्पे पर प्रदर्शनकारी, परिवार के साथ शाही दावत का उठा रहे लुत्फ

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंका अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। देश में आए आर्थिक संकट के चलते वहां की जनता बेहाल है और बड़े स्तर पर सरकार विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं। जिसको देखते हुए अंतरिम सर्वदलीय सरकार के गठन पर सहमति बन गई है और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने सर्वदलीय सरकार के गठन के लिए अपने इस्तीफे की पेशकश कर दी है। ऐसे में 13 जुलाई के बाद सर्वदलीय सरकार का गठन हो सकता है क्योंकि राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे 13 जुलाई को अपना पद छोड़ देंगे।

प्रदर्शनकारियों को राष्ट्रपति आवास पर कब्जा

राष्ट्रपति आवास इन दिनों पिकनिक स्पॉट का लग रहा है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देंगे तब तक हम यहां से हटेंगे नहीं। आपको बता दें कि प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास पर कब्जा कर लिया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर कई तरह के वीडियो सामने आ रहे हैं। जिसमें देखा जा सकता है कि प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति भवन में स्थित स्वीमिंग पूल का लुत्फ उठा रहे हैं और वहां पर मौजूद संसाधन का इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रपति भवन का चप्पा-चप्पा प्रदर्शनकारियों से घिरा हुआ है। वहां पर बिल्कुल भी खाली जगह नहीं दिखाई दी दे रही है। हर जगह पर प्रदर्शनकारी मौजूद हैं और नजारा बिल्कुल पिकनिक स्पॉट जैसा है। प्रदर्शनकारी आराम से अपने परिवार के साथ वहां पर मौजूद हैं। साथ ही राष्ट्रपति भवन में मौजूद जिम में प्रदर्शनकारियों ने जमकर अपना पसीना बहाया और कसरत की। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के आवास को आग के हवाले कर दिया।

भारतीय उच्चायोग ने सैनिक भेजने की खबरों को किया खारिज

श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने उन खबरों का फिर से खंडन किया है, जिनमें कहा गया है कि नयी दिल्ली द्वारा कोलंबो में भारतीय सैनिक भेजे जाएंगे। इससे पहले, मई में भी भारतीय उच्चायोग ने मीडिया के एक वर्ग में आई ऐसी ही खबरों को खारिज किया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत श्रीलंका के घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रखे हुए है और वह उन कई चुनौतियों से अवगत है जिनका देश और उसके लोग सामना कर रहे हैं।

कोलंबो में राष्ट्रपति भवन में प्रवेश के बाद स्वीमिंग पूल में तैरते हुए लोग।

भारतीय निशानेबाज अर्जुन ने आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण पर निशाना लगाया

चांगवन । भारतीय युवा निशानेबाज अर्जुन बबूता ने यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में अर्जुन ने टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता लुकास कोजेंस्की को 17-9 से पराजित किया। अर्जुन रैंकिंग मुकाबले में 661.1 अंक के साथ नंबर एक पर रहते हुए स्वर्ण पदक के मुकाबले में जगह बनाने में सफल रहे थे। यह अर्जुन का सीनियर टीम की ओर से पहला स्वर्ण पदक है। उन्होंने इससे पहले अजरबेजान के गबाला में 2016 जूनियर विश्व कप में भी स्वर्ण पदक जीता था। इस स्पर्धा में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय पार्थ मखीजा 258.1 अंक के साथ ही चौथे स्थान पर रहे। वहीं इजराइल के 33 साल के सर्गेई रिक्टर 259.9 अंकों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहे।

ब्रेसवेल की तूफानी पारी से न्यूजीलैंड ने पहला एकदिवसीय जीता

डबलिन ।

माइकल ब्रेसवेल के शानदार शतक से न्यूजीलैंड ने पहले ही एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान टीम आयरलैंड को एक विकेट से हरा दिया। इस मैच में ब्रेसवेल ने अपने करियर की सबसे बेहतर पारी खेली। इस मैच में न्यूजीलैंड टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए 20 रन बनाने थे। ऐसे में ब्रेसवेल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अंतिम ओवर की पहली 5 गेंद पर 24 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इससे पहले आयरलैंड ने हेरी टेक्टर के शतक की सहायता से 9 विकेट पर 300 रन बनाये थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने 120 रनों पर ही 5 विकेट खो दिये। इसके बाद 7वें नंबर पर उतरे ब्रेसवेल ने अपनी टीम को शानदार जीत दिलायी। अंतिम ओवर तेज गेंदबाज क्रेग यंग ने फेंका पर ब्रेसवेल ने पहली और दूसरी गेंद पर चौका लगाने के बाद तीसरी गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके बाद एक चौका और छक्का लगाकर टीम को जीत दिलायी। यह एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में पहली बार है जब 50वें ओवर में 20 या उससे अधिक रन बनाकर किसी टीम ने मैच जीता है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 18 रन का था।

एकदिवसीय सीरीज में जीत से शुरुआत के लिए उतरेगी टीम इंडिया

लंदन ।

भारत ओर मेजबान इंग्लैंड के बीच मंगलवार से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज शुरु होगी। टी20 सीरीज में जीत उत्साहित भारतीय टीम इस सीरीज को भी जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनकी टीम आक्रामक क्रिकेट खेलना जारी रखेगी। इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए से सीरीज अहम रहेगी। रोहित का भी कहना है कि अब हर मैच महत्वपूर्ण रहेगा। वहीं देखना यह है कि टी20 सीरीज में रन बनाने में विफल रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को इस मैच में शामिल किया जाएगा या नहीं। विराट के लगातार खराब प्रदर्शन को देखते हुए दिग्गज खिलाड़ियों की ओर से उन्हें बाहर किये जाने की मांग भी उठ रही है हालांकि रोहित ने विराट का बचाव ही किया है।

यह सीरीज वापसी कर रहे शिखर धवन जैसे खिलाड़ी के लिए काफी अहम होगी, क्योंकि आगामी वेस्टइंडीज दौरे पर उन्हें टीम का नेतृत्व करना है। धवन ने आईपीएल में अच्छे रन बनाये थे और उम्मीद है कि वह यहां भी अच्छा खेलेंगे। वहीं भारतीय टीम को सूर्यकुमार यादव से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। सूर्यकुमार ने अंतिम टी20 में शतक लगाकर अपने इरादे दिखा दिये थे।

विराट अगर इस मैच में उतरते हैं तो उनपर रन बनाने का भारी दबाव रहेगा। एकदिवसीय होने के कारण हालांकि उन्हें रन बनाने के लिए समय जरुर मिलेगा। गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो भारतीय टीम के पास जसप्रीत बुमराह , मोहम्मद शमी और स्पिनर के तौर पर युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल जैसे गेंदबाज हैं।

वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम की बात करें तो इंग्लैंड के नियमित कप्तान के तौर पर जोस बटलर की यह पहली एकदिवसीय सीरीज होगी। ऐसे में टीम टी20 सीरीज की हार को भूलकर जीत के इरादे से उतरेगी। टीम के पासा बेन स्टोक्स, जो रूट और जॉनी बेयरस्टो जैसे खिलाड़ी है। बेयरस्टो पिछले कुछ समय से शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। टीम के पास गेंदबाज के तौर पर सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन , और मोईन अली जैसे खिलाड़ी हैं। ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी गेंद ओर बल्ले से एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जिनसे टीम इंडिया को सावधान रहना होगा।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुरन, लियाम लिविंगस्टोन, क्रेग ओवरटन, मैथ्यू पार्किंसन, जो रूट, जेसन रॉय, फिल साल्ट, बेन स्टोक्स, रीसे टॉपली, डेविड विली।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

जोकोविच ने कोरोना संक्रमण के बाद भी जीता विम्बलडन खिताब

विम्बलडन ।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कोरोना संक्रमण के बाद भी विंबलडन टेनिस का एकल खिताब जीता है। यह जोकोविच का कुल 21वां ग्रैंडस्लैम टाइटल है। इस तरह से जोकोविच ने स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी रोजर फेडरर के 20 खिताबों को पीछे छोड़ दिया है। वहीं स्पेन के राफेल नडाल 22 खिताब के साथ ही शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। जोकोविच ने फाइनल में निक किर्गियोस को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर विम्बलडन खिताब अपने नाम किया। इस सर्बियाई खिलाड़ी को पिछले साल कोरोना टीकाकरण नहीं होने के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग लेने से रोक दिया गया था। तभी से वह परेशान थे।

जीत से उत्साहित जोकोविच ने कहा कि का यह खिताब मेरे जीवन के महत्वपूर्ण समय में आया है। जोकोविच ने 7वीं बार विंबलडन का खिताब जीता है। जोकोविच ने कहा कि इस साल की शुरुआत में आई परेशानियों से वह प्रभावित हुए थे। इससे मैं शारीरिक और मानसिक तौर पर अच्छा अनुभव नहीं कर रहा था। उस समय मुझे ऐसा लगा कि इसमें कुछ समय लगने वाला है। इसलिए मुझे धैर्य रखना होगा।

जोकोविच के अनुसार विम्बलडन जीत से ज्यादा मैंने इस साल क्या किया। यह अधिक महत्वपूर्ण है।

वेंकटेश प्रसाद सहित पूर्व क्रिकेटरों ने की विराट को बाहर करने की मांग

मुम्बई ।

पूर्व क्रिकेटरों ने खराब फार्म में चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को टीम से बाहर किये जाने की मांग की है। विराट पिछले दो साल से अधिक समय से रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस दौरान वह एक भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इंग्लैंड दौरे में भी वह टेस्ट सीरीज के बाद टी20 में भी रन नहीं बना पाये। इसी को लेकर पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने कहा कि जब सौरव गांगुली, वीरेन्द्र सहवाग, हरभजन सिंह और युवराज सिंह को बाहर किया जा सकता है तो विराट को क्यों नहीं बाहर किया जा सकत। इससे पहले महान ऑलराउंडर कपिल देव ने भी कहा था कि विराट प्रदर्शन नहीं कर रहे तो उनकी जगह युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहिये। वेंकटेश ने ट्विटर पर कहा, 'एक समय ऐसा था जब आपका फार्म खराब है तो टीम से बाहर कर दिया जाता था। वह भी इस बात को ध्यान में बिना रखे कि कौन किना बड़ा खिलाड़ी है। सौरव, सहवाग, युवराज, जहीर, भज्जी इन सभी को फार्म में नहीं होने के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था। यहां तक कि अनिल कुंबले जैसे दिग्गज स्पिनर को भी टीम से बाहर बैठना पड़ा था। इसके बाद ये सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में वापस गए और रन बनाकर उन्होंने टीम में वापसी की।' विराट का इससे पहले आईपीएल में प्रदर्शन भी खराब रहा था।

विराट को लेकर कपिल के बयान से सहमत नहीं रोहित

लंदन ।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को बाहर किये जाने के पूर्व कप्तान कपिल देव के बयान से वह सहमत नहीं हैं। विराट के लगातार खराब फार्म को देखते हुए कपिल ने उन्हें बाहर किये जाने की सलाह दी थी। विराट इंग्लैंड में हुई टी20 सीरीज में भी रन नहीं बना पाये थे। वह पिछले दो साल से अधिक समय से एक बार भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इस को देखकर कपिल ने कहा था कि मैदान में बने रहने के लिए रन बनाने होते हैं। पुराने रिकार्ड के आधार पर कोई खिलाड़ी टीम में बना नहीं रह सकता है पर रोहित इससे सहमत नहीं हैं। वह विराट के बचाव में खुलकर सामने आये हैं। रोहित ने कहा कि कपिल बाहर से खेल देख रहे हैं। वो नहीं जानते कि टीम के अंदर क्या चल रहा है.

रोहित ने कहा, हमारा अपना सोचने का तरीका है। हम अपनी टीम बनाते हैं और इसके पीछे काफी सोच-विचार किया जाता है। हम लड़कों का समर्थन करते हैं और उन्हें अवसर देते हैं। ऐसे में ये बातें आपको बाहर से पता नहीं चलतीं. इसलिए बाहर जो भी हो रहा है, वह अहम नहीं है पर अंदर जो हो रहा है वह वह हमारे लिए अधिक अहम है। रोहित ने साथ ही कहा कि हर किसी का फार्म एक सा नहीं रहता और प्रत्येक खिलाड़ी को खराब दौर से गुजरना पड़ता है पर इससे खिलाड़ी की योग्यता पर प्रभाव नहीं पड़ता है। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि जब कोई खिलाड़ी इतने सालों से अच्छा प्रदर्शन कर रहा हो तो एक या दो सीरीज में खराब प्रदर्शन से उसे खराब खिलाड़ी नहीं कहा जा सकता। हमें उनके पिछले प्रदर्शन को भी देखना चाहिये। टीम के सदस्य विराट का महत्व जानते हैं। वहीं इससे पहले महान ऑलराउंडर कपिल ने कहा था कि जब टेस्ट टीम से स्पिनर आर अश्विन को बाहर किया जा सकता है, जो नंबर दो गेंदबाज हैं, तो आपके नंबर-1 बल्लेबाज के साथ ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता है। साथ ही कहा था कि अगर विराट प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो आप दीपक हुडा जैसे युवा खिलाड़ियों को अवसर दे सकते हैं।

नकली क्रिकेट लीग के जरिये विदेशी सट्टे के कारोबार का खुलासा

मुम्बई ।

गुजरात पुलिस ने नकली क्रिकेट लीग की आड़ में चलाये जा रहे विदेशी सट्टे के करोबार का खुलासा किया है। इस फेक लीग में सभी कुछ नकली चल रहा था। गुजरात के वडनगर में आईपीएल की तरह हो रही इस नकली लीग के क्रिकेटर और कमेंटेटर तक सभी फर्जी थे। इस फेक क्रिकेट लीग के नाम पर विदेश से सट्टे का कारोबार चल रहा था। मेहसाणा पुलिस ने इस मामले को लेकर 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन चारों के खिलाफ धोखाधड़ी और सट्टेबाजी के मामले में केस में दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस को अभी भी एक आरोपी की तलाश है जो कि रूस में रहता है और वहीं से इस सट्टेबाजी के काम को अंजाम दे रहा था। इस क्रिकेट लीग में चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और अन्य आईपीएल की टीम के नाम से टीम इसमें शामिल हो रही थी। इसमें रुस के साथ साथ यूरोप के कई देशों से सट्टे लग रहे थे। सबसे खास बात तो यह है कि इन मैचों का यूट्यूब पर लाइव प्रसारण भी किया जा रहा था। यह वडनगर तालुका के मोलिप उर गांव में हो रहा था। पर्दाफाश होने तक इस फेक लीग में क्वार्टर फाइनल तक मुकाबला खेला जा चुका था। इसमें कुछ लोगों ने मालीपुर गांव में एक फॉर्म खरीदा था। उसे पूरी तरीके से मैदान में बदल दिया गया था जहां पिच तैयार की गई थी और लाइट की व्यवस्था भी थी। क्रिकेट से जुड़े पूरा सेटअप लगाया गया था ताकि इसे आईपीएल की तरह दिखाया जा सके।

15 जुलाई को कोलंबिया रवाना होंगे भारतीय तीरंदाज

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाज कोलंबिया में होने वाले तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-4 स्पर्धा में भाग लेने के लिए 15 जुलाई को रवाना होंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 25 जुलाई तक होगा। इसके लिए ये तीरंदाजों ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोनीपत शिविर में में अभ्यास करना शुरू कर दिया है जिससे वे कोलंबिया के हालातों से तालमेल बना सकें। इससे पहले भारतीय टीम ने विश्वि कप स्टेज-3 में शानदार प्रदर्शन किया था। गौरतब है कि साई में देशभर के चयनित तीरंदाज शामिल हुए हैं। कोलंबिया में 15 जुलाई से 25 जुलाई तक होने वाले तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-4 के लिए भारतीय दल में 16 तीरंदाज, चार कोच, दो फिजियोथैरेपिस्ट और एक मनोविज्ञानी को शामिल किया गया है। इसमें भारतीय दल से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं।

संक्षिप्त समाचार

बेयरस्टो जून महीने के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

दुबई । अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को जून महीने के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। बेयरस्टो के अलावा इंग्लैंड के ही जो रूट और न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल भी इस दौड़ में शामिल थे पर अंत में बेयरस्टो ने बाजी मार ली। भारत के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने से पहले बेयरस्टो ने न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैचों में शतक लगो थे जिसके कारण उन्हें यह सम्मान मिला है। बेयरस्टो ने नॉटिंघम में हुए दूसरे टेस्ट के अंतिम दिन 136 रन की मैच विजेता पारी खेली थी। उनकी इसी पारी की मदद से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 ओवर के भीतर ही 299 रन के लक्ष्य का पीछा कर जीत हासिल की थी। बेयरस्टो ने नॉटिंघम में 136 रन की पारी खेलने के दौरान इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे तेज शतक भी लगाया था। इसके बाद उन्होंने लीड्स में हुए तीसरे टेस्ट में भी 162 और नाबाद 71 रन की पारी खेली थी। इस वजह से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 3 टेस्ट की सीरीज में हराया था। उन्होंने भारत के खिलाफ एजबेस्टन में हुए पांचवें टेस्ट में भी अपने इस फॉर्म को बरकरार रखा और दोनों ही पारियों में शतक लगाकर भारत का 15 साल बाद इंग्लैंड में सीरीज जीतने का सपना पूरा नहीं होने दिया था। आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बेयरस्टो ने कहा, मैं आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ के रूप में मुझे वोट देने के लिए प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं।

मैच के बीच ही श्रीलंकाई बल्लेबाज कोरोना संक्रमित होने के कारण बाहर हुआ

गाले । श्रीलंकाई टीम के सलामी बल्लेबाज पथुम निशंका को कोराना संक्रमित होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाले स्टेडिम में जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के बीच में ही बाहर होना पड़ा है। निशंका को जांच में संक्रमित पाये जाने के बाद से ही दूसरे होटल में पृथकवास पर भेज दिया गया। अब वह बचे हुए टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। वहीं उनकी जगह पर ओशादा फर्नांडो को टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंकाई क्रिकेट ने अपने एक बयान में कहा, निशंका ने एक दिन पहले ही तबीयत ठीक नहीं होने की बात कही थी। इसके बाद कोरोना संक्रमण की जांच के लिए उनका रैपिड एंटीजन टेस्ट कराया गया था। इसकी रिपोर्ट भी संक्रमित निकली थी। इसके बाद आरटी पीसीआर जांच में भी पॉजिटिव पाये जाने पर उन्हें बाहर कर दिया । दो मैच में यह दूसरी बार है जब कोई खिलाड़ी संक्रमित होने के कारण मैच से बाहर हुआ है। इससे पहले पहले एंजिलो मैथ्यूज भी संक्रमित होने के कारण मैच से बाहर हो गये थे। अब तक प्रवीण जयाविक्रमा, धनंजय डिसिल्वा, असिथ फर्नांडो, जैफरी वांडरसे भी इस वायरस की जांच में संक्रमित पाये गये हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज की शुरुआत के बाद से ही निशंका कोरोना संक्रमित होने वाले श्रीलंका के छठे खिलाड़ी हैं।

आईसीसी ने ऋषभ से जुड़ा प्रोमो शेयर किया

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टीम इंडिया के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए यह वीडियो बेहद अहम माना जा रहा है। इस वीडियो में आईसीसी ने जो बात लिखी है उससे यह अंदाज होता है कि ऋषभ आने वाले समय में सबसे बड़े सितारे बनकर उभरेंगे। आईसीसी ने इस विकेटकीपर को लेकर जो वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, उसमें लिखा है, वेलकम टू बिग टाइम, ऋषभ गौरतलब है कि ऋषभ का अब तक का का प्रदर्शन शानदार रहा है। वह तीनों ही प्रारुपों में एक मैच विजेता खिलाड़ी के तौर पर उभरे हैं। उन्होंने एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ हुए टेस्ट में कठिन हालातों में शतक लगाकर अपनी टीम को संभाला था। इस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में 5 शतक लगाए हैं। इसमें से चार विदेश में लगाये हैं। उन्होंने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका तीनों देशों में शतक लगाये हैं। इससे उनकी क्षमताएं साबित होती हैं। आधुनिक क्रिकेट में जिन बल्लेबाजों को खेलते हुए हर प्रशंसक देखना चाहता है , ऋषभ उनमें से एक हैं। वो जेम्स एंडरसन जैसे तेज गेंदबाजों के खिलाफ ही बड़ी आसानी से रिवर्स स्विप लगाते हैं। उन्हें छोटे से करियर में ही भारत के भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जाने लगा है। हाल ही में पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 टी20 की सीरीज में कप्तानी करने का अवसर दिया गया था। आईसीसी ने ऋषभ से जुड़ा जो प्रोमो शेयर किया है, उसमें एक हेलिकॉप्टर सिडनी ओपेरा हाउस के ऊपर से उड़ रहा है तभी सिडनी हार्बर के अंदर से ऋषभ बाहर निकलते हैं और अपने ही अंदाज में हेलमेट पहने एक हाथ से बल्ला लेकर चलते नजर आ रहे हैं। उनका कद किसी गॉडजिला जैसा नजर आ रहा है।

ओडिशा में स्कूल परिसर में मीडिया पर प्रतिबंध चौंकाने वाला, निंदनीय- कांग्रेस

भुवनेश्वर: ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शरत पटनायक ने सोमवार को राज्य में स्कूल परिसर में पत्रकारों के प्रवेश पर राज्य सरकार द्वारा विचारहीन प्रतिबंध के घृणित कृत्य की कड़ी निंदा की।
पटनायक ने पत्रकारों और मीडियाकर्मियों के खिलाफ मनमाने कदम में कहा, यह चौंकाने वाला और घृणित है, ओडिशा सरकार ने स्कूल परिसरों में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।
उन्होंने कहा कि डीईओ ढेंकनाल द्वारा गत १० जुलाई को स्कूल परिसर में पत्रकारों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश मनमाना है।
पीसीसी अध्यक्ष ने सरकार के इस कदम को 'अनावश्यक' और लोकतंत्र का घोर अपमान करार दिया। यह बीजद सरकार के अहंकार को भी दर्शाता है।
"हम लोकतांत्रिक मानदंडों के गला घोंटने के इस कृत्य की निंदा करते हैं और इस तरह के पुराने निर्देशों को तत्काल वापस लेने की मांग करते हैं।
पटनायक ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब पत्रकारों पर इस तरह का प्रतिबंध लगाया गया है।
इससे पहले, ओडिशा सरकार ने पत्रकारों को एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, राज्य सचिवालय और ओडिशा विधानसभा में प्रवेश पर रोक लगा दी थी।
उन्होंने कहा, ठयह हमारे मीडिया का कर्तव्य है कि सरकार के किसी भी अंग में हो रहे किसी भी उल्लंघन या अनियमितता को उजागर करें, लेकिन विशिष्ट स्थानों पर उन पर प्रतिबंध लगाना निश्चित रूप से सरकार की हताशा को दर्शाता है,ठ उन्होंने टिप्पणी की।

ओडिशा विजिलेंस ने पुलिस अधिकारी को २०,००० रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा

भुवनेश्वर :उमेरकोट थाना के अतिरिक्त आईआईसी लीमराज प्रधान को एक पारिवारिक विवाद मामले को सुलझाने के लिए एक शिकायतकर्ता से २०,००० रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया है।
विजिलेंस सूत्रों के अनुसार, प्रधान को ओडिशा विजिलेंस ने पारिवारिक विवाद के मामले को सुलझाने के लिए शिकायतकर्ता से अनुचित लाभ मांगने और स्वीकार करने के लिए गिरफ्तार किया था।
१० जुलाई को करीब ११ बजे जाल बिछाया गया जिसमें प्रधान को ओडिशा विजिलेंस की टीम ने पकड़ लिया।
अपर आईआईसी ने शिकायतकर्ता को रात १० बजे के बाद उमेरकोट थाने में रिश्वत के पैसे लेकर आने को कहा था।
सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए वह रिश्वत के पैसे लेने के लिए बाहर एक सुनसान जगह पर आया था। विजिलेंस टीम को दूर से आते देख प्रधान पास के झाड़ीदार इलाके में भाग गया, लेकिन सतर्कता अधिकारियों ने उसका पीछा किया और उसे पकड़ लिया।
विजिलेंस सूत्रों ने कहा कि प्रधान ने खुद को छुड़ाने के लिए हाथापाई करने की कोशिश की, लेकिन विजिलेंस टीम ने उन्हें काबू कर लिया।गवाहों की मौजूदगी में रिश्वत की पूरी रकम बरामद कर ली गई।
कंधमाल जिले के बर्किंगिया स्थित पैतृक गांव में उमरकोट में प्रधान के आवासीय और सरकारी क्वार्टर, उसके किराए के आवासीय घर और घर पर एक साथ तलाशी शुरू की गई।
कोरापुट विजिलेंस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसे गिरफ्तार कर कोर्ट भेज दिया गया है।

सेल मेडिक्लेम योजना का नवीनीकरण

राउरकेला, एमएस संवाददातासेल मेडिक्लेम योजना (२०२२-२३) को मैसर्स न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ ११ जुलाई, २०२२ से १० जुलाई, २०२३ तक एक वर्ष की अवधि के लिए नवीनीकृत किया जा रहा है। ७० वर्ष से कम आयु के सदस्यों की सदस्यता के नवीनीकरण के लिए देय प्रीमियम ६६६८/- रुपये है जबकि ७०-८० वर्ष के आयु वर्ग के सदस्यों के लिए देय प्रीमियम ४७०८/- रुपये है। ८० वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के सदस्यों को १००/-रुपये के नामांकन शुल्क के अतिरिक्त नवीनीकरण प्रीमियम के रूप में कुछ भी भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है।
पॉलिसी अवधि २०२२-२३ के दौरान नवीनीकरण और नए नामांकन के अलावा, गैप मामले यानी पूर्व कर्मचारी जो सेल से सेवानिवृत्?त होने के बाद कभी भी सेल मेडिक्लेम योजना के तहत नामांकित नहीं हुए हैं और / या वे कर्मचारी जो योग्?य पात्र थे और अपनी सदस्यता को नवीनीकृत करने में विफल रहे हैं वे सेल मेडिक्लेम योजना २०२२-२३ के तहत प्रदान किए गए कवरेज मानदंड के संदर्भ में ऊपर उल्लिखित उनकी आयु वर्ग के आधार पर रियायती प्रीमियम के भुगतान पर २०२२-२३ के लिए योजना के तहत नामांकन के लिए भी अनुमति दी जाएगी।
पॉलिसी अवधि २०२२-२३ के दौरान सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों और उनके जीवनसाथी के लिए नए नामांकन को प्रो-राटा प्रीमियम के भुगतान पर सेल मेडिक्लेम योजना २०२२-२३ के तहत कवरेज के लिए अनुमति दी जाएगी।
इसके अलावा सेल मेडिक्लेम योजना में नामांकन के मौजूदा नियमों और शर्तों पर पूर्ण प्रीमियम के भुगतान पर इच्छुक पूर्व कर्मचारियों के लिए सुपर टॉप अप की सुविधा है।
सेल मेडिक्लेम योजना (२०२२-२३) का विवरण सेल संपर्क वेबसाइट और सेल वेबसाइट (ूूू://ूूू.ैंग्त.म्द.ग्ह) और सेल मेडिक्लेम पोर्टल (ूू:// ैग्त.स्र्हृ.म्द्र) पर भी उपलब्ध है।
गैप मामलों के लिए आवेदन पत्र संपर्क वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है।
सेल मेडिक्लेम योजना के तहत संबंधित संयंत्र/यूनिट में नवीनीकरण और गैप मामलों के नामांकन के लिए अंतिम तिथि १० अगस्त, २०२२ है।

जेएसपीएल फाउंडेशन पुरी में रथ यात्रा महोत्सव में भक्तों की सेवा की

- नेत्रोत्सव दिवस से सुनबेशा तक ३.३ लाख से अधिक लोगों को ताजा पका हुआ भोजन परोसता है
- भक्तों में बांटे १०००० ग्लूकोज के पैकेट
- त्योहार के दौरान १४ दिनों के लिए ठंडा पेयजल उपलब्ध कराता है
- फ्रंटलाइन ऑफिसर वालंटियर्स के लिए १००० रेनकोट उपलब्ध कराए

भुवनेश्वर: जेएसपीएल फाउंडेशन, जिंदल स्टील एंड पावर की सीएसआर शाखा ने पुरी में रथ यात्रा उत्सव के दौरान ३३०,००० से अधिक भक्तों की सेवा की। जिला प्रशासन के सहयोग से, फाउंडेशन ने भव्य उत्सव के दौरान ताजा पका हुआ पारंपरिक ओड़िया भोजन (चावल, दालमा, खजूर खाता), ठंडा पीने का पानी और ग्लूकोज के पैकेट प्रदान किए।
जेएसपीएल फाउंडेशन द्वारा सेवाएं, इसकी अध्यक्ष श्रीमती के मार्गदर्शन में। शालू जिंदल ३० जून २०२२ को नेट्रोत्सव दिवस पर शुरू हुआ और सुनबेशा दिवस तक जारी रहा। स्थानीय स्वयंसेवकों के सहयोग से, फाउंडेशन ने लगभग तीन लाख तीस हजार गर्म-पका हुआ शुद्ध शाकाहारी भोजन प्रदान किया, जिसमें चावल, दालमा (दाल और सब्जियों का मिश्रण), और खट्टा (टमाटर, गुड़ और खजूर से बनी चटनी) शामिल थे। गुंडिचा मंदिर, पुरी के पास बस स्टैंड पर विशेष स्टाल।
"पुरी में रथ यात्रा के भव्य उत्सव के दौरान हमें भक्तों की सेवा करने का अवसर देने के लिए हम हमेशा भगवान जगन्नाथ की दिव्य कृपा के लिए बाध्य हैं। हम हमेशा मानते हैं कि मानव जाति की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। व्हृ फाउंडेशन के अध्यक्ष शालू जिंदल ने कहा, ब्रह्मांड के भगवान महाप्रभु जगन्नाथ, दुनिया भर में मानव जाति को अच्छे स्वास्थ्य और शांति का आशीर्वाद दें।
जेएसपीएल फाउंडेशन ने रथ यात्रा के दिन बडाडांडा में भक्तों के बीच ग्लूकोज के १०००० पैकेट वितरित किए और त्योहार के दौरान ड्यूटी पर विभिन्न फ्रंटलाइन सरकारी कर्मचारियों द्वारा उपयोग के लिए जिला प्रशासन को १००० रेनकोट प्रदान किए।
इसके अलावा, फाउंडेशन ने पूरे त्योहार के दिनों में भक्तों को १००० लीटर क्षमता के रेफ्रिजरेटेड मोबाइल पीने के पानी के टैंकर से ठंडा पेयजल भी प्रदान किया। नेट्रोत्सव दिवस से पूरे महोत्सव के दौरान बददंडा में पेयजल सेवा जारी रही।

मायुमं कटक शाखा द्वारा रथयात्रा सेवा शिविर का आयोजन

शैलेश कुमार वर्मा

कटक :- विश्व प्रसिद्ध महाप्रभु जगन्नाथ, बलभद्र एवं सुभद्रा मां की रथयात्रा के पावन दिवस पर जगन्नाथ जी की धरा पुरी में मारवाड़ी युवा मंच, कटक शाखा द्वारा २५वाँ नि:शुल्क खाद्य वितरण सेवा शिविर का आयोजन कोरोना काल के बाद पुन: किया गया. राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा कपिल लखोटिया, प्रांतीय अध्यक्ष युवा नरेश अग्रवाल, अमृतधारा के राष्ट्रीय संयोजक युवा आनंद केडिया, प्रांतीय उपाध्यक्ष युवा बजरंग लाल चिमनका, शाखा के सभी युवा साथियों एवं हर वह शख्स जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया, उन सभी का हम तहे दिल से आभार व्यक्त करते हैं। पूरी निवासी मोहन पासोरिया एवं उनके परिवार का विशेष आभार जिनके प्रांगण में इतने सालो से शिविर आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय एवं प्रांतीय शीर्षस्थ नेतृत्वों की उपस्थिति एवं युवा साथियों के सहयोग एवं सहभागिता ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया. शिविर प्रातः ६ बजे प्रारंभ हुआ तथा रात्रि ८.३० बजे तक अनवरत संचालित किया गया। शिविर में श्रद्धालुओं को पूरी, उपमा, चावल, डालमा एवं महाप्रभु के रथ के आगमन पर सूजी का हलुआ वितरित किया गया. तकरीबन बीस हजार श्रद्धालुओं को शिविर में सेवा प्रदान की गई. शाखा के ५० से ज्यादा युवा साथियों के सहयोग से आयोजित शिविर सफल रहा.

अधिक निवेश, नई कौशल प्रौद्योगिकी आकर्षित करने के लिए ओडिशा फूड प्रो २०२२ -मंत्री

भुवनेश्वर: भारतीय खाद्य प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र के निवेशक, निर्माता, निर्माता, खाद्य प्रोसेसर, स्टार्ट-अप, नीति निर्माता और आयोजक यहां २१ जुलाई को होने वाले ओडिशा फूड प्रो २०२२ में भाग लेंगे।
ओडिशा एमएसएमई विभाग कृषि और किसान अधिकारिता विभाग के सहयोग से राज्य में खाद्य प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करने के लिए कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।
एमएसएमई मंत्री प्रताप केशरी देब ने कहा कि यह आयोजन राज्य के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में अधिक निवेश, नए कौशल और प्रौद्योगिकी को आकर्षित करेगा और एसएचजी, एफपीओ, सहकारी समितियों और खाद्य प्रसंस्करण गतिविधियों में शामिल व्यक्तिगत इकाइयों को बेहतर अनुभव प्रदान करेगा।
देब ने इस अवसर पर ओडिशा खाद्य प्रसंस्करण पीआरओ २०२२ का टीज़र वीडियो लॉन्च किया।

सेल, आर.एस.पी. में आइकोनिक सप्ताह समारोह का भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन

राउरकेला, एमएस संवाददाता :इस्पात मंत्रालय के तहत आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र (आर.एस.पी.) में मनाया जाने वाला आइकोनिक सप्ताह समारोह १० जुलाई, २०२२ को सिविक सेंटर में एक भव्य कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ। आर.एस.पी. के निदेशक प्रभारी श्री अतनु भौमिक समारोह के मुख्य अतिथि थे। दीपिका महिला संघति की अध्यक्षा श्रीमती सीमा भौमिक, कार्यपालक निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री पी.के. शतपथी, कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) श्री एस. त्रिपाठी और डी.एम.एस. की उपाध्यक्षा श्रीमती सुष्मिता दास शाम के अन्य विशिष्ट अतिथि थे। समारोह में कई मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी, उनके परिवार के सदस्य, विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक और राउरकेला के सांस्कृतिक प्रेमियों ने भाग लिया।
सभा को संबोधित करते हुए निदेशक प्रभारी ने देश के उन नेताओं को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने भारत को स्वतंत्र करने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। श्री भौमिक ने उत्पादों और सेवाओं की विस्तृत श्रृंखला के साथ देश के बुनियादी ढांचे और अर्थव्यवस्था के विकास में सेल, आरएसपी के योगदान पर प्रकाश डाला। भारत को दुनिया के सबसे तेजी से विकासशील देशों में से एक के रूप में संदर्भित करते हुए निदेशक प्रभारी ने सभी से भारत को वैश्विक परिदृश्य में एक सुपर पावर बनाने के लिए अपने सौंपे गए कार्यों को पूरा करने के लिए खुद को पुन: समर्पित करने का आग्रह किया।
प्रारंभ में महाप्रबंधक प्रभारी (कार्मिक एवं प्रशासन) श्री बीरेंद्र कुल्लू ने सभा का स्वागत किया और आइकोनिक सप्ताह समारोह के उपलक्ष्य में आर.एस.पी. द्वारा आयोजित गतिविधियों के बारे में बताया।
ई.एम.डी. विभाग के श्री ज्योति आचार्य द्वारा प्रस्?तुत श्लोकों के उच्चारण के बीच गणमान्यों द्वारा औपचारिक दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।
इसके बाद मंत्रमुग्ध कर देने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसमें संयंत्र के कर्मचारियों द्वारा ठथरती आबाठ नामक नाटक का मंचन किया गया, जिसमें अंग्रेजों से स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए शहीद वीर बिरसा मुंडा के जीवन और संघर्ष को दर्शाया गया। इसके पश्वात् उत्?साहपूर्ण नृत्य प्रदर्शन जैसे इस्पात इंग्लिश मीडियम स्कूल, सेक्टर-२० द्वारा ठभारत की बेटीठ, दिल्ली पब्लिक स्कूल द्वारा रथ यात्रा की विषय पर ओडिशा नृत्य, दीपिका इंग्लिश मीडियम स्कूल द्वारा 'डाल खाई' गीत पर संबलपुरी नृत्य, दीपिका इस्पात शिक्षा सदन, सेक्टर-१८ द्वारा मराठी नृत्य, ज्ञानज्योति पब्लिक स्कूल, सेक्टर-१९ द्वारा प्रस्तुत भांगड़ा नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।
समारोह का समापन निदेशक प्रभारी और डी.एम.एस. की अध्यक्षा द्वारा नाटक के कलाकारों, नृत्य मंडलियों और विभिन्न अवसरों पर आर.एस.पी. के विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करने वाले संचालकों को सम्मानित करने के साथ हुआ।
महाप्रबंधक (पीएच, समाज कल्याण एवं क्रीड़ा) श्री बी.के. राउत ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रबंधक (कार्मिक) सुश्री संगीता ए. सिंदूर एवं सी.आर.एम. के श्री अनिल मल्लिक ने समारोह का संचालन किया।

शहर में मनाई गई बकरीद

ईदगाह, मकबूल मस्जिद एवं गोसिया मस्जिद एवं जामा मस्जिद में अदा की नमाज बड़ी संख्या में जूटे नमाज़ी

राजेश दाहिमा

राजगांगपुर:रविवार को बकरीद त्योहार को लेकर मुस्लिम समुदाय में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पर्व की खुशियां मनाते हुए नजर आए।
इस अवसर पर रविवार सुबह सात बजे ईदगाह में नमाज अदा की गई और जामा मस्जिद के इमाम ने नमाज अदा करवाई। साथ ही साथ अमन शांति की दुआएं मांगी गई। वहीं दूसरी ओर शहर के मकबूल मस्जिद व गोसिया मस्जिद ,जामा मस्जिद में भी नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में नमाज़ी जूटे हुए नजर आए।
नमाज़ अदा करने के बाद लोग एक दुसरे से गले मिले और बकरीद की मुबारकबाद दी। मुस्लिम समुदाय में बकरीद यानी ईद- उल -अजहा इस्लाम धर्म का दूसरा सबसे बड़ा त्योहार है। वैसे भी इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, बारहवें महीने की १० तारीख को बकरीद त्योहार मनाया जाता है और रमज़ान खत्म होने के ७० दिन बाद आता है। इस दिन मुस्लिम समाज के लोग मस्जिद में जाकर नमाज अदा करने के बाद जानवर की कुर्बानी देने की परंपरा है।
वैसे भी ईद उल फितर के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों का ये दूसरा सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है और इस त्योहार पर लोग साफ पाक होकर न?ए कपड़े पहन कर नमाज पढ़ते हैं। जहां ईद उल फितर में खीर बनाने का रिवाज है वहीं दूसरी ओर इस मौके पर बकरे की कुर्बानी देते हैं।
इस मौके पर मुस्लिम पंचायत समुदाय के गणमान्य नागरिकों का कहना है कि दो साल बाद कोविड की पाबंदियां हटने के बाद सभी बड़े जोश और उत्साह के साथ बकरीद त्योहार मना रहे हैं।
वहीं इफ्तकार उर्फ पाका बाबू , शोएब आलम, एडवोकेट एमडी मोसीन, उपनगरपाल एमडी इरफान, कुतुब रब्बानी, एमडी अमन, एमडी नवाब,जफर मोबिन, एमडी खालीद,जूलू बाबू, गांधी बाबू,हाजी मन्सूर ने बताया कि इस मौके पर नमाज अदा करने के दौरान अमन शांति, समृद्धि और खुशहाली की दुआएं मांगी गई है।

माता-पिता की स्मृति में डॉ देवेंद्र का स्वर्ग वाहन दान

नगरपाल माधुरी लुगुन ने डॉ देवेंद्र सिंह की सेवा को सराहा

राजेश दाहिमा

राजगांगपुर:शहर के सुप्रसिद्ध डॉ देवेन्द्र सिंह विरदी ने अपने माता पिता की स्मृति में एक स्वर्ग वाहन दान में दिया औऱ इसकी देखरेख व संचालन के लिए इसे राजगांगपुर ट्रक मालिक संघ के सुपुर्द किया।
.नगरपाल माधुरी लुगुन के मुख्य आतिथ्य में स्वर्ग वाहन ट्रक मालिक संघ को सौंपा गया. रविवार को ट्रक मालिक संघ कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में डॉ देवेन्द्र सिंह विरदी व उनके परिवार के सदस्यों ने पिता इंद्रजीत सिंह विरदी और माता गुरदीप सिंह विरदी की पुण्य स्मृति में स्वर्ग वाहन दान में दिया.
इस मौके पर उन्होंने स्वर्ग वाहन की चाबी ट्रक मालिक संघ के अध्यक्ष राकेश नंदा को दी.ट्रक मालिक संघ के अध्यक्ष राकेश नंदा ने डॉ देवेन्द्र सिंह विरदी के निस्वार्थ सेवा भाव की प्रशंसा करते हुए आभार जताया.
डॉ देवेन्द्र सिंह विरदी ने बताया कि स्वर्ग वाहन की देखभाल की जिम्मेदारी ट्रक मालिक संघ द्वारा किया जाएगा. मौके पर उपस्थित नगरपाल माधुरी लुगुन ने डॉ देवेन्द्र सिंह विरदी के नेक काम की सराहना करते हुए कहा कि शहर में स्वर्ग वाहन की कमी थी और विशेष कर गरीब तबके के लोग अस्पताल में या दुर्घटना में मौत होने पर पार्थिव शरीर को घर व घाट तक ले जाने के लिए मृतक के परिजनों को काफी परेशानियां का सामना करना पड़ता था. डॉ देवेंद्र की पहल से ये कमी भी पूरी हो गई.
डॉ देवेन्द्र सिंह विरदी वार्ड नंबर १२ के निवासी हैं और बिलासपुर अपोलो अस्पताल में एक जाने माने सिनियर गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट पद पर कार्यरत हैं.स्वर्गवाहन दान देने के अवसर पर सुरेश शर्मा, बीजद टाउन अध्यक्ष राजेंद्र बेहरा, पार्षद कौशल सिंह, पवन अग्रवाल, सूरज शर्मा, राजेश चौधरी, गुरुदेव सिंह सहित अन्य शहर के सुप्रसिद्ध गणमान्य नागरिक मौजूद थे. ट्रक मालिक संघ के अध्यक्ष राकेश नंदा उर्फ बब्बू भाई और नगरपाल माधुरी लुगुन ने डॉ देवेन्द्र सिंह विरदी को इस निस्वार्थ सेवा व नेक काम के लिए पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया.
डॉ देवेन्द्र सिंह विरदी का मानना है कि जिस समाज ने हमें नाम,मान सम्मान,यश दिया,उस समाज के प्रति भी इंसान को अपना फर्ज निभाना चाहिए।इनका मानना है कि धन दौलत, इज्जत प्रतिष्ठा,घर परिवार सबकुछ यही रह जाता है। सिर्फ दुनिया से विदा लेने वाले की यादें रह जाती है।

इनर व्हील क्लब की नई टीम

नारी हर क्षेत्र में कर रही पुरुषों की बराबरी:यादव

राजेश दाहिमा

राजगांगपुर/राउरकेला: व्हील क्लब आफ राउरकेला मिड टाउन के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि रोटरी डीजीइ हीरालाल यादव ने नारी शक्ति के सदुपयोग होने से ही समाज का समुचित विकास होने की बात कही है.उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में नारी हर क्षेत्र में पुरुषों से कंधा से कंधा मिलाकर चल रही है.हर क्षेत्र में नारी का सम्मान है.
इनर व्हील क्लब के वर्ष २०२२-२३ के लिए नई कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ. अध्यक्ष मंजू मेहेर ने नई अध्यक्ष रीतू साकुनिया को पदभार सौंपा. वहीं, लिप्सा महंती ने नीतू अग्रवाल को पदभार हस्तांतरित किया.
मुख्य अतिथि ने नारी को दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती का रूप बताया.प्रेस को जारी बयान के अनुसार इनर व्हील क्लब ऑफ राउरकेला मिड टाउन की अध्यक्ष रीतू सकुनिया के नेतृत्व में नई टीम ने ब्राह्मणी क्लब में पदभार संभाल लिया. शपथ ग्रहण समारोह मुख्य अतिथि डीजीई हीरालाल यादव एव पीडीसी मंजू मुखर्जी के मुख्य आतिथ्य में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ.
इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय इनर व्हील अध्यक्षा द्वारा सभी क्लब वर्क वंडर की थीम पर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया है. शपथ ग्रहण समारोह में अध्यक्ष रितु साकुनिया, सचिव नीतू अग्रवाल, उपाध्यक्ष दिलराज पानेसर, कोषाध्यक्ष माधवी पुरोहित, संपादक सुषमा प्रसाद सलाहकार रुणा महंती, आई एस ओ बनिता शुक्ला के साथ क्लब की लिप्सा महंती, किरण बाला दास, प्रतिमा परमार, किरण अग्रवाल, रेखा सिंह, अरुणा वर्मा, मनजीत सलूजा, स्वीटी दास, मलिन्दर अरोरा, सुप्रिया कौर, मनजीत छाबड़ा बरखा गुप्ता समाज सेवा के विस्तार का संकल्प लिया.इस मौके पर अन्य रोटरी क्लबों के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे.

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA) Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). Editor-Abinash Mishra Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,
मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रित तथा दुर्गा माधब प्रिंटर्स आट-बज्रक बाटी रोड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र